आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 24 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 256
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

राजबाड़ा से आंखों देखा हाल...

पेज-2

'माँ इंटी बंगारम' हिंदी में सोनी लिव पर स्ट्रीम

पेज-5

डीपी ज्वैलर्स में वजन मशीन में गड़बड़ी

पेज-6

अब निगाहें मोहन मंत्रिमंडल पर, नजर आ सकते हैं नए चेहरे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश मंत्रिमंडल में जल्दी ही फेरबदल होगा। कैबिनेट में नए चेहरे भी नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि नए-पुराने चेहरे जैसी कोई बात नहीं, लेकिन इतना तय है कि बदलाव जरूर नजर आएगा। इस संबंध में वरिष्ठ नेतृत्व से मार्गदर्शन के बाद यह कवायद पूरी होगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम के साथ संपन्न पहली बैठक के मौके पर दिल्ली पहुंचे सीएम डॉ. यादव ने एक मीडिया संस्थान से हुई बातचीत में यह खुलासा किया। जब उनसे पूछा गया कि यह फेरबदल कब तक होगा? इस पर उनका कहना था कि जल्दी ही आपको रिजल्ट दिखेगा। इस मौके पर सीएम ने सिंहस्थ तैयारी से लेकर धार्मिक जंगल टूरिज्म, श्रीकृष्ण पाथेय, श्रीराम वन गमन पथ पर चल रहे कामकाज का ब्यौरा भी दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध के साथ ही मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जा रही है।

डॉ. यादव और खंडेलवाल भी दिल्ली में सक्रिय : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम में शामिल मप्र के सातों सदस्य भी संगठन की पहली बैठक में शामिल हुए। पदाधिकारियों के साथ हुई पहली चर्चा में मुख्य रूप से संगठन के कार्यक्रम और

आगामी रणनीति जैसे मुद्दे रहे। आगामी कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से जेन-जी और जेन-अल्फा से सीधे संवाद पर जोर दिया गया। मध्यप्रदेश में भाजपा संगठन ने इसके लिए युवा संवाद के कार्यक्रम तैयार किए हैं। दोनों नेताओं की भी केंद्रीय नेतृत्व के साथ अलग-अलग हुई बैठकों में सत्ता-संगठन के कई मुद्दों पर चर्चा हुई। खंडेलवाल ने ओरछा में होने वाली उनकी टीम की पहली कार्यसमिति बैठक के संदर्भ में केंद्रीय नेताओं को ब्यौरा और आमंत्रण भी दिया।

तेज हुई नए मीडिया प्रभारी की तलाश

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम का ऐलान होने के बाद अब मप्र के लिए नए मीडिया प्रभारी की तलाश शुरू हो गई है। निकाय, पंचायत और सहकारिता चुनाव के साथ ही मिशन 2028 को देखते हुए इस पद के लिए नए-पुराने लोगों के नाम चर्चा में है। इनमें प्रवक्ता हितेष वाजपेयी और सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी के नाम प्रमुखता से उभरकर सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, ओरछा में होने वाली प्रदेश कार्यसमिति बैठक 30-31 अगस्त को होने वाली बैठक से पहले नए नाम का ऐलान हो जाएगा। एक शीर्ष बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है। अभी तक यह जिम्मेदारी आशीष अग्रवाल निभा रहे हैं। उन्हें अब राष्ट्रीय संगठन में नई जिम्मेदारी मिली हैं।

■ **ये हैं प्रमुख दावेदार :** पार्टी सूत्रों का कहना है कि पूर्व मीडिया प्रभारी डॉ. वाजेपयी ओर तिवारी के अलावा राकेश पंडया, सचिन सक्सेना, विशाल बतरा, बृजगोपाल लोया, मिलन भार्गव और अजय धबले का नाम भी शामिल है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा कार्यकारिणी को लेकर उठा विवाद

सांसद समर्थक नेताओं को शामिल नहीं किए जाने पर हुई तीखी बहस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर एक अप्रिय स्थिति निर्मित हो गई। यह पूरा विवाद पिछड़ा वर्ग मोर्चा की नई कार्यकारिणी में सांसद समर्थकों के नामों को पर्याप्त प्राथमिकता न मिलने के कारण शुरू हुआ। इस मुद्दे को लेकर कुछ कार्यकर्ता नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा से चर्चा करने पहुंचे थे। बातचीत के दौरान मिश्रा की एक टिप्पणी के चलते दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जिसे बाद में अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हस्तक्षेप कर शांत कराया।

गौरतलब है कि शुक्रवार देर रात्रि भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा की कार्यकारिणी की घोषणा की गई थी। इस नई सूची में विधायकों के समर्थकों को अधिक प्राथमिकता दी गई, जिसके चलते कई पुराने दावेदार पद पाने से वंचित रह गए। हालांकि मोर्चा अध्यक्ष निखिल सोनी द्वारा अब तक की सबसे

बड़ी कार्यकारिणी की घोषणा की गई है, जिसमें कार्यकर्ताओं को संतुष्ट करने के उद्देश्य से सहप्रभारी के अतिरिक्त पद भी सृजित किए गए हैं। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं के एक बड़े वर्ग में नाराजगी बनी हुई है। इसी सिलसिले में सांसद समर्थक कमल गोस्वामी, विशाल गिदवानी और महेश जोशी अन्य सदस्यों के साथ नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा से बात करने पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं ने पक्ष रखा कि सांसद शंकर लालवानी की ओर से अविनेश हार्डिया उर्फ गोलू और ऋषि सोलंकी के नाम दिए गए थे, परंतु उन्हें स्थान नहीं मिला। कार्यकर्ताओं का यह भी आरोप था कि इससे पूर्व घोषित शहर की कार्यकारिणी में भी किसी सांसद समर्थक को जिम्मेदारी नहीं दी गई थी।

सरकारी स्कूलों में तीन दिन मनेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश के स्कूलों में इस बार भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व तीन दिनों तक मनाया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं।

इसके तहत 1 से 3 सितंबर 2026 तक स्कूलों में श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी शिक्षाओं और गीता ज्ञान से जुड़े अलग-अलग कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता से परिचित कराना है। स्कूलों को जन्माष्टमी के आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ करने के निर्देश दिए गए हैं।

तीन दिवसीय आयोजन के दौरान स्कूलों में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन किया जाएगा। श्रीकृष्ण की शिक्षाओं और गीता ज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर नाटक और नृत्य की प्रस्तुतियां भी होंगी।

इसके अलावा भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े भ्रामक मिथकों को लेकर व्याख्यान आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूल विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के जीवन और शिक्षाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के लिए अपने स्तर पर गतिविधियां आयोजित करेंगे।

नई प्रदेश कार्यकारिणी छोटी होगी, इसमें करीब 125 पदाधिकारी शामिल होंगे

एक सप्ताह में भंग होगी कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी, दो माह में नई घोषित होगी

अक्टूबर, 2024 में घोषित प्रदेश कार्यकारिणी में 310 पदाधिकारी शामिल थे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने मप्र कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी भंग करने की तैयारी कर ली है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि एक सप्ताह में प्रदेश कार्यकारिणी भंग कर दी जाएगी। इसके बाद दो महीने के भीतर नई कार्यकारिणी की घोषणा होगी।

पार्टी ने नई प्रदेश कार्यकारिणी में पदाधिकारियों की संख्या सीमित रखने का निर्णय लिया है। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव को मिलाकर अधिकतम 125 पदाधिकारी शामिल होंगे। पिछले दिनों हुई मप्र कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी भंग करने का निर्णय लिया गया था। जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों दिल्ली में हुई प्रदेश कांग्रेस के कामकाज की समीक्षा बैठक में सामने आया था कि मप्र कांग्रेस अधिकतर प्रदेश पदाधिकारी निष्क्रिय हैं। इसे देखते हुए पार्टी ने प्रदेश कार्यकारिणी का नए सिरे से गठन कर सक्रिय नेताओं को पदाधिकारी बनाने का निर्णय लिया है। नई कार्यकारिणी का गठन आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है।

प्रदेश कार्यकारिणी भंग होने की खबरें सामने आने के बाद वर्तमान प्रदेश पदाधिकारियों में हलचल मच गई है। वे इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि उन्हें नई कार्यकारिणी में जगह मिलेगी या नहीं। कई पदाधिकारी नई कार्यकारिणी में जगह पाने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले मप्र कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी अक्टूबर, 2024 में घोषित हुई थी। प्रदेश कार्यकारिणी में 310 पदाधिकारी शामिल थे। गत फरवरी में चार जिलों- सागर, छिंदवाड़ा, मऊगंज और झाबुआ की कार्यकारिणी को भंग किया गया था। बाद में एआईसीसी की नई गाइडलाइन जारी होने के बाद इन जिलों में दोबारा कार्यकारिणी का गठन किया गया।

पार्टी की गाइडलाइन के अनुसार बड़े जिलों में कार्यकारिणी में अधिकतम 51 पदाधिकारी और छोटे जिलों में अधिकतम 31 पदाधिकारी शामिल होंगे। प्रदेश महासचिव संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले का कहना है कि कार्यकारणी भंग करने और नई कार्यकारिणी घोषित करने के संबंध में अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान को करना है।

अजब गजब कांग्रेस, छह महीने से प्रवक्ता ही नहीं

मप्र में पिछले छह महीने से कांग्रेस का कोई प्रदेश प्रवक्ता नहीं है। पार्टी ने फरवरी में प्रवक्ताओं को पद मुक्त कर दिया था। नए प्रवक्ताओं की नियुक्ति के लिए कांग्रेस ने दो चरणों में टैलेंट हंट प्रोग्राम शुरू किया था। इसका पहला चरण मार्च में पूरा हुआ था। इसके बाद कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के कानूनी उलझनों में फंसने के कारण टैलेंट हंट का दूसरा चरण अटक गया था। कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार विभाग ही टैलेंट हंट का आयोजन कर रहा था। फिर मई में टैलेंट हंट का दूसरा चरण पूरा होने के बाद 13 मई को प्रतिभागियों के फायनल इंटरव्यू हुए थे। पूर्व प्रवक्ताओं ने भी इंटरव्यू दिए थे। पार्टी की तरफ से मई के आखिर तक नए प्रवक्ताओं के नाम घोषित किए जाने की बात कही गई थी। फायनल इंटरव्यू हुए तीन महीने से ज्यादा बीत चुके हैं, लेकिन पार्टी अब तक प्रवक्ताओं के नामों की घोषणा नहीं कर पाई है। टैलेंट हंट के जरिए 20 प्रदेश प्रवक्ता, मीडिया पैनलिस्ट और जिला प्रवक्ताओं का चयन किया जाना है।

60 विभाग-प्रकोष्ठ हो चुके हैं भंग

पिछले दिनों मप्र कांग्रेस के 60 विभागों और प्रकोष्ठों को भंग किया जा चुका है। इससे पहले नवंबर, 2025 में भी प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा की गई जिला संगठन मंत्रियों की नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों पर बुलाई बैठक
- सिंहेश्वर मंदिर में भीड़ हुई बेकाबू, कई श्रद्धालु और पुलिसकर्मी घायल
- बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी
- CEC ज्ञानेश कुमार उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे
- अमरावती के अस्पताल के NICU में आग, 3 नवजात बच्चों की मौत
- इंडियन ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम ने मशहूर कनिज़सा ओपन 2026 चेस टूर्नामेंट जीता
- ओडिशा में भारी बारिश के कारण नबरंगपुर और भद्रक में सोमवार को स्कूल बंद
- अमेरिका बौखला गया है', नई पाबंदियों की धमकी पर ईरान का पलटवार
- गाजा में अस्पताल के पास इजरायली एयरस्ट्राइक, कई लोग घायल

गोरिल्ला ने हाथ दिखाया तो रुक गए वाहन!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पलासिया चौराहे पर रविवार को अचानक एक गोरिल्ला ट्रैफिक संभालता नजर आया तो लोग हैरान रह गए। कुछ ही देर में राज खुला कि यह इंदौर पुलिस का अनोखा ट्रैफिक अवेयरनेस अभियान था।

गोरिल्ला ने रॉन्ग साइड और जेब्रा क्रॉसिंग पर खड़े वाहन चालकों को इशारों से नियम समझाए। इंदौर के पलासिया चौराहे पर रविवार को नजारा कुछ ऐसा था, जिसे देखकर राहगीर और वाहन चालक कुछ देर के लिए ठिठक गए। सड़क पर एक गोरिल्ला हाथों के इशारे से वाहनों को रोकता और आगे बढ़ने का संकेत देता नजर आया। पहली नजर में लोगों को लगा कि यह कोई मनोरंजन या मजाक का हिस्सा है, लेकिन जल्द ही पता चला कि गोरिल्ला के जरिए यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने का अनोखा अभियान चलाया जा रहा है। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे अभियान में एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया, यातायात पुलिस के अधिकारी और एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे। अभियान के दौरान गोरिल्ला ने जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन खड़े करने वालों को इशारा कर पीछे हटाया।

कलेक्टर की सख्ती के बाद इंदौर जिला फिर से सीएम हेल्पलाइन के ए ग्रेड में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में लापरवाह अधिकारियों को नोटिस, सख्ती ने असर दिखाया है। इंदौर जिला अब ताजा सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में डी से सीधे ए ग्रेड पर पहुंचा है। उधर कलेक्टर ने एक बार फिर राजस्व अधिकारियों की बैठक बुला ली है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकता वाली सीएम हेल्पलाइन में पांच अगस्त को इंदौर जिले की स्थिति खराब थी। हमेशा टॉप 5 और टॉप 10 में रहने वाला इंदौर राजस्व कामों में डी ग्रेड पर पहुंच गया था। द सूत्र ने इस पर खबर प्रकाशित की थी। खबर के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने सख्ती दिखाई। उन्होंने बैठक लेकर लापरवाह अधिकारियों को एक-एक कर नोटिस जारी किए। इसका असर अब साफ नजर आ रहा है।

सीएम हेल्पलाइन की राजस्व कामों की ताजा रैंकिंग में इंदौर ने बड़ी छलांग लगाई है। इंदौर अब पूरे प्रदेश में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है और ए ग्रेड में शामिल हो गया है। पिछले 15 दिनों में राजस्व कामों में तेजी आई है। लगातार राजस्व कोर्ट लगाई गईं और लंबित मामलों का निराकरण किया गया। इसके अलावा राजस्व शिविरों और सीएम के जन विश्वास अभियान के जरिए मौके पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। इसी का नतीजा है कि इंदौर अब ए ग्रेड में पहुंच गया है। प्रदेश में गुना के बाद इंदौर दूसरे स्थान पर है।

इंदौर के 5 अगस्त को यह थे हाल

5 अगस्त को इंदौर जिले की राजस्व कामों (एमपी सीएम हेल्पलाइन) में रैंक 48वीं थी और जिला डी कैटेगरी में था। कुल 26 राजस्व कोर्ट में से 23 अधिकारी डी कैटेगरी में शामिल थे। सिर्फ एक अधिकारी की कोर्ट ए कैटेगरी और दो अधिकारियों की कोर्ट सी कैटेगरी में थीं। इसके बाद 15 अगस्त के बाद स्थिति में सुधार हुआ और इंदौर सी रैंक में पहुंच गया। उस समय पांच अधिकारी ए ग्रेड, नौ अधिकारी बी ग्रेड, आठ अधिकारी सी ग्रेड और चार अधिकारी डी ग्रेड में थे। अब 22 अगस्त की स्थिति में इंदौर ए ग्रेड में पहुंच चुका है। प्रदेश में गुना के बाद इंदौर दूसरे स्थान पर है।

बेलगाम चीनी के दाम... अल नीनो और रेड रॉट वजह!

नई दिल्ली (एजेंसी) ● चीनी की बेलगाम कीमतों को लेकर मचे राजनीतिक घमासान पर सरकार का बड़ा बयान आया है। मोदी सरकार में मंत्री प्रह्लाद जोशी ने Sugar Price Hike के पीछे के दो बड़े कारण बताए हैं। चीनी की बढ़ती कीमतों पर विपक्ष के आरोपों को सरकार ने किया खारिज। चीनी की बढ़ती कीमतों पर विपक्ष के आरोपों को सरकार ने किया खारिज। भारत में त्योहारी सीजन चल रहा है और मिठाई की मिठास को चीनी की बढ़ती कीमतें बेस्वाद करती नजर आ रही हैं। देश में चीनी की कीमतों में ताबड़तोड़ उछाल जारी है। रिटेल मार्केट में 1 किलो चीनी की कीमत 65 रुपये या कहीं-कहीं इससे भी ज्यादा पहुंच चुकी है। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है और ये विपक्ष का प्रमुख मुद्दा बना हुआ नजर आ रहा है। ugar Price Hike को लेकर जारी राजनीतिक खींचतान के बीच अब सरकार की ओर से बड़ा बयान सामने आया है।

न्यूज ब्रीफ

दुबई चैंबर्स ने दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दुबई चैंबर्स ने बेंगलुरु के एक उच्च-स्तरीय दौरे के दौरान एजेंटीक एआई में सहयोग को आगे बढ़ाने, दुबई और भारत के बीच व्यापार तथा निवेश को मजबूत करने और व्यापार विस्तार का समर्थन करने के लिए दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) और फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) के साथ किए गए हैं।

अगस्त में अब तक 25 करोड़ यूनिट बिजली वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर शहर वृत्त अंतर्गत अगस्त में अब तक करीब 25 करोड यूनिट बिजली वितरण किया गया है। अगस्त के बीते तीन सप्ताह में इंदौर शहर की अधिकतम बिजली मांग 520 मैगावाट दर्ज की गई। वहीं एक दिन में अधिकतम बिजली आपूर्ति 1करोड़ 16 लाख यूनिट रही।

बिजली उपभोक्ता अनजान लिंक, मैसेज को पूरी तरह नजरंदाज करें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अधिकृत संदेश पर ही ध्यान देने व अनजान मोबाइल नंबर से आए संदेशों, फाइल, वाट्सएप फाइल को लेकर अत्यंत सावधानी रखने की अपील की हैं। कंपनी ने कहा कि कंपनी वाट्सएपर बिल किसी नंबर की बजाए mppkvvcl indore नाम से और अधिकृत एसएमएस mpsebw-S नाम से भेजती हैं, इसी तरह के मैसेज पर ध्यान दिया जाए। अन्य नंबरों से आए मैसेज, वाट्सएप व ्क्क फाइल को पूरी तरह फर्जी मानकर नजरंदाज किया जाए। फर्जी संदेश, लिंक, ्क्क फाइल से आपका मोबाइल तुरंत हैक हो जाएगा, मोबाइल की कमांड फर्जी व्यक्तियों के पास तुरंत पहुंचा जाएगी, व आपका बैंक बैलेंस, डाटा चुरा लिया जाएगा।

युवा संगम के तहत बिजलपुर में आयोजित हुआ करियर मार्गदर्शन शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला रोजगार कार्यालय इंदौर के तत्वावधान में युवा संगम के तहत करियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन बिजलपुर स्थित शासकीय बालक एवं कन्या विद्यालय में किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को करियर निर्माण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों के संबंध में उपयोगी जानकारी दी गई। सही शिक्षा, व्यावहारिक ज्ञान, कौशल विकास तथा निरंतर सीखने की क्षमता सफलता का मजबूत आधार है।

राजबाड़ा से आंखों देखा हाल : रिमूव्हल दल सड़क पर, फिर भी फुटपाथ कब्जों का बाजार बेखौफ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रविवार को राजबाड़ा से लेकर आसपास के हेरिटेज बाजारों तक जो नजारा दिखाई दिया, उसने स्मार्ट सिटी और हेरिटेज एरिया की व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए। मौके पर नगर निगम के सहायक रिमूव्हल अधिकारी विनीत तिवारी, राजबाड़ा रिमूव्हल प्रभारी एवं सुपरवाइजर शुभम गर्दे सहित करीब 20 से अधिक कर्मचारी मौजूद थे। लेकिन दूसरी ओर सड़क और फुटपाथ पर कब्जा जमाकर कारोबार करने वालों की भीड़ अपने पूरे तेवर में नजर आई।

सड़क पर खरीदारी करने वाली महिलाओं की भीड़, फुटपाथ कारोबारियों के हाथों में नोटों की गड्डियां और साथ में क्छ भुगतान के पोस्टर यह दृश्य देखकर सहज ही

सवाल उठता है कि जिस क्षेत्र को नगर निगम ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और हेरिटेज एरिया का दर्जा दिया है, वहां सड़क और फुटपाथ पर कारोबार का यह स्वरूप आखिर किस व्यवस्था का हिस्सा है?

आंखों देखे इस पूरे दृश्य के दौरान मौके पर मौजूद रिमूव्हल दल से जब पूछा गया कि 'यहां क्या हो रहा है? नगर निगम का रिमूव्हल दल क्या कर रहा है?' तो जवाब मिला 'हम कुछ नहीं कर सकते हैं।' 'यही जवाब सबसे बड़ा सवाल बन गया।

यदि रिमूव्हल दल मौके पर मौजूद है, कर्मचारी तैनात हैं और सड़क-फुटपाथ पर कब्जे दिखाई दे रहे हैं, तो फिर कार्रवाई कौन करेगा? और यदि कार्रवाई करना रिमूव्हल दल के अधिकार क्षेत्र में नहीं है, तो फिर इस व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है?

इमामबाड़ा से जबरेश्वर महादेव मंदिर तक भी यही तस्वीर

इमामबाड़ा से जबरेश्वर महादेव मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर भी फुटपाथ और सड़क पर अनियंत्रित कब्जों का सिलसिला दिखाई देता है। इसके आगे खजुरी बाजार, शिव विलास पैलेस, सराफा मार्ग और पीपली बाजार तक जगह-जगह सड़क और फुटपाथ पर कारोबार दिखाई देता है। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि फुटपाथ कारोबारी रोजी-रोटी क्यों कमा रहे हैं। सवाल यह है कि स्मार्ट सिटी और हेरिटेज क्षेत्र की सड़कें और फुटपाथ आखिर किसके लिए हैं?

गोपाल स्टूडियो से अटाला बाजार तक फुटपाथ का बाजार

राजबाड़ा से आगे गोपाल स्टूडियो से अटाला बाजार की ओर बढ़ते ही स्थिति और स्पष्ट दिखाई देती है। सड़क किनारे बड़ी संख्या में फुटपाथ कारोबारी कारोबार करते नजर आते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस पूरे हिस्से में 500 से अधिक फुटपाथ कारोबारियों की मौजूदगी का दावा किया जाता है। इसके बाद निहालपुरा की ओर बढ़ने पर कई दुकानदारों का सामान दुकान की निर्धारित सीमा से काफी आगे तक सड़क की ओर फैला दिखाई देता है। कहीं-कहीं करीब 15 फीट तक दुकानें आगे बढ़ी हुई नजर आती हैं। अंदरूनी हिस्सों में भी दुकानों और अस्थायी कारोबार की भरमार दिखाई देती है।

फर्जी नामांतरण घोटाले में जो अधूरी कड़ियां ढाई महीने में नगर निगम नहीं जोड़ सका वो अब पुलिस जोड़ रही

घोटाले में शामिल दलाल-निगमकर्मी और कम्प्यूटर ऑपरेटर की खोज रहे हैं लिंक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम में सामने आए फर्जी नामांतरण घोटाले की जांच अब पुलिस के स्तर पर आगे बढ़ रही है। निगम की करीब ढाई महीने चली जांच के बाद रिपोर्ट पुलिस को सौंप दी गई है। जांच में सामने आए संदिग्धों पर एफआईआर दर्ज करने के लिए निगम ने आवेदन दिया है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले में आरोपियों की संख्या अभी बढ़ सकती है। इसी वजह से प्रकरण दर्ज करने से पहले अधूरी कड़ियों को जोड़ने और संदिग्धों की भूमिका स्पष्ट करने के लिए पूछताछ की जा रही है। नगर निगम की जांच में सामने आया है कि एक ही रात में अलग-अलग 354 संपत्तियों के नाम दूसरे लोगों के नाम पर चढ़ा दिए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए निगम ने दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रिपोर्ट तैयार की। इसमें कई लोगों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है।

बढ़ेगी आरोपियों की संख्या

निगम अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद घोटाले में शामिल लोगों की संख्या और बढ़ सकती है। यही वजह है कि पुलिस फिलहाल मामले की सभी कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। इसके बाद दोषियों की भूमिका स्पष्ट होने पर एफआईआर दर्ज किए जाने की संभावना है।

नगर निगम के राजस्व अधिकारी आकाश सिह के मुताबिक, निगम की जांच में जिन लोगों की भूमिका सामने आई है, उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए। जांच में दलाल, वकील और अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आई है, जो आम लोगों को बरगलाने और कथित भ्रष्टाचार में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, निगम की ओर से इन्हें सीधे आरोपी नहीं बनाया गया है। इनकी भूमिका और संपर्क की जांच पुलिस कर रही है। मामले में 51 पीड़ित भी सामने आए हैं, जिनकी संपत्तियों को कथित तौर पर धोखाधड़ी के जरिए बेचा गया। शुरुआत में कई पीड़ित पूछताछ के लिए सामने नहीं आ रहे थे। पुलिस द्वारा कई बार बुलाए जाने के बाद उन्होंने बयान दर्ज कराए हैं। हालांकि, उनके साथ धोखाधड़ी करने वाले और उनसे संपर्क में रहने वाले लोगों के संबंध में अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

अपर आयुक्त आकाश सिह के अनुसार, निगम की जांच रिपोर्ट में कुल 26 लोग संदिग्ध पाए गए हैं। इनमें 18 दलाल और छह अन्य लोग शामिल हैं, जबकि बाकी संदिग्धों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस से इन सभी की भूमिका की गहनता से जांच करने का अनुरोध किया गया है। एक ही रात में 354 संपत्तियों के नाम कथित तौर पर फर्जी तरीके से दूसरे लोगों के नाम दर्ज किए गए। इसके बाद नामांतरण में गड़बड़ी की शिकायतें सामने आने लगीं और नगर निगम ने जांच शुरू की।

वियतनाम में बढ़ाया इंदौर का मान, डॉ. निशा जोशी को हनोई व दनांग में मिले तीन अंतरराष्ट्रीय सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय योग की प्राचीन ज्ञान परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करते हुए इंदौर की प्रख्यात योग विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद् , गीता उपदेशिका डॉ. निशा जोशी ने वियतनाम में भारत और इंदौर का गौरव बढ़ाया। हनोई एवं दानंग में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए योग तथा भारतीय ज्ञान परंपरा का संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया। वियतनाम के हनोई शहर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होलिस्टिक हेल्थ (एनआईएच) द्वारा एसकेएम योग एवं योगा सोंखोई के तत्वावधान में 'योगा एंड होलिस्टिक हेल्थ' विषय पर एक भव्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैनल डिस्कशन में डॉ. निशा जोशी ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 'योगा एंड मॉडर्न लाइफस्टाइल' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते

तनाव, तकनीकी निर्भरता, व्यावसायिक दबाव एवं भावनात्मक चुनौतियों के बीच योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं भारतीय योग परंपरा के अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार के लिए डॉ. निशा जोशी को हनोई में दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया गया। उन्हें 'हो ची मिन्ह अवॉर्ड-2027' वियतनाम योग फेडरेशन के अध्यक्ष वू त्रोंग लोई द्वारा प्रदान किया गया।

फीनिक्स प्राइड ऑफ इंडिया इंदौर में उत्सवी सीजन की शुरुआत, कई हस्तियां शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फीनिक्स प्राइड ऑफ इंडिया इंदौर में उत्सवी सीजन की शुरुआत 90-दिवसीय समारोह के साथ करने जा रहा है, जो संस्कृति, विरासत, मनोरंजन, भोजन और रिटेल अनुभवों को एक ही छत के नीचे लेकर आएगा। 8 अगस्त को शुरू हुए इन समारोहों को 22 अगस्त को आगे बढ़ाया गया, जिसमें त्रिप्ति डिमरी के साथ द फीनिक्स मिल्स लिमिटेड के चेयरमैन अतुल रुइया; सीईओ - मॉल्स, द फीनिक्स मिल्स लिमिटेड, रश्मि सेन; और डायरेक्टर मार्केटिंग (नॉर्थ, सेंट्रल एंड वेस्ट), फीनिक्स मिल्स लिमिटेड, मयंक लालपुरिया भी मौजूद रहे। इस शाम नरगिस फाखरी भी समारोह में शामिल हुईं, जो हैमरज़ के भव्य उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित थीं। इस शाम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजन और अनुभवात्मक कार्यक्रम एक साथ प्रस्तुत किए गए, जिसमे फीनिक्स प्राइड ऑफ इंडिया में आगे होने वाले विस्तृत उत्सव कैलेंडर को पेश किया गया।

होटल लेमन ट्री में हुआ राहुल जगताप 'देव' की पुस्तक 'आठवाँ चाँद' का लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के होटल लेमन ट्री में कवि एवं लेखक राहुल जगताप 'देव' की पुस्तक 'आठवाँ चाँद' (नज़्म संग्रह) का गरिमामय लोकार्पण साहित्यिक एवं सांस्कृतिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध साहित्यकार राहुल शिवाय, बेगूसराय, साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. ममता चंद्रशेखर तथा साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. सोनाली नरगुंडे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने पुस्तक का लोकार्पण करते हुए राहुल जगताप 'देव' को उनकी साहित्यिक यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि 'आठवाँ चाँद' संवेदनाओं, रिश्तों, प्रेम, स्मृतियों और जीवन के विभिन्न अनुभवों को शब्द देने वाली रचनाओं का संग्रह है। राहुल जगताप 'देव' की रचनाओं में हिंदी की सहजता के साथ उर्दू शब्दों की नफ़ासत और भावों की गहराई दिखाई देती है।

दाऊदी बोहरा समाज ने मिलाद-उन-नबी पर निकाला जुलूस, 1,000 से ज्यादा पेड़ लगाने का लिया संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के दाऊदी बोहरा समाज ने पैगंबर हजरत मोहम्मद (स.अ.व.) की जयंती मिलाद-उन-नबी के अवसर पर शहर भर में जश्न के साथ जुलूस निकाला। इस जुलूस में इंदौर के 17 अलग-अलग इलाकों से समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर इंदौर के शहर काज़ी डॉ. इशरत अली साहब एवं इंदौर में परम पूज्य हुज़ूर सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। जुलूस सियागंज से शुरू हुआ और जवाहर मार्ग, यशवंत रोड चौराहा और नर्सिंग बाजार चौराहा सहित शहर के प्रमुख स्थानों से होकर गुजरा। इसके बाद यह छत्रीबाग स्थित समाज के एबीएन स्कूल में समाप्त हुआ। समाज के स्वयंसेवकों ने जुलूस की व्यवस्था संभालने और स्थानीय लोगों को होने वाली असुविधा को कम करने में मदद की।

रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स द्वारा 'एक पेड़ अपनों के नाम' पौधारोपण अभियान आयोजित, 60 से अधिक पौधे रोपे गए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के तहत 'एक पेड़ अपनों के नाम' अभियान के अंतर्गत अमितेश नगर गार्डन (राजीव गांधी सर्कल के पास) में द्वितीय पौधारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर 60 से अधिक पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत में क्लब अध्यक्ष रो. प्रियांकी माहेश्वरी ने पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश गुप्ता (पार्टनर इन सर्विस) ने प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पौधारोपण करने का संदेश दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वयक पीडीजी नितिन डफरिया ने अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि रोटरी का उद्देश्य केवल पेड़ लगाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों को जीवित रखने और उनके पूर्ण संरक्षण के लिए हम हर संभव प्रयास करते हैं। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन रो. अखिलेश खंडेलवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान इंदौर नगर निगम के अधिकारियों द्वारा महापौर की विशेष पहल 'आज़ादी सिंगल यूज़ प्लास्टिक से' की जानकारी दी गई।

भव्य सगींत मय भक्तामर पाठ का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन खंडेलवाल युवा महासभा इंदौर इकाई के तत्वावधान में श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर संविद नगर तिलक नगर मेन रोड इंदौर में भव्य सगींत मय भक्तामर पाठ का आयोजन रखा गया! सभा के प्रचार मंत्री वैभव कासलीवाल ने बड़े हर्ष के साथ बताया कि भक्तामर पाठ के प्रारंभ होने के पहले महासभा के शेखर

छाबड़ा ,मनीष जैन, पुष्पेंद्र जैन शेलेन्द्र सोगानी , गौरव पाटोदी ने दीप प्रज्वलित किया इसके साथ-साथ मीतू जैन ,श्रद्धा सेठी एवं विनी काला ने जिनवाणी माँ को विराजमान किया! कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री शेखर जी छाबड़ा होलास सोनी एवं पूर्व पार्षद श्रीमती आशा जी सोनी संजय डोसी थे!

नुक्कड़ नाटक से दूध का सच-'डोंट बिलीव द डेयरी टेल' का मंचन इंदौर में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतराष्ट्रीय युवा दिवस की पृष्ठभूमि में इंदौर के युवा कार्यकर्ताओं ने रविवार को 56 दुकान पर एक विचारोत्तेजक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन देश के 10 शहरों में चलाए जा रहे एक व्यापक अभियान का हिस्सा था। 'हर सफेद दिखने वाली चीज़ सफेद तो होती है, पर उसके पीछे छुपा है कोई अनसुना सच।' इसी विचार को केंद्र में रखते हुए अनोखे गेम शो अंदाज़ में प्रस्तुत इस नाटक ने दर्शकों को झकझोर दिया।

इंदौर एनिमल लिबरेशन और वन जस्ट वर्ल्ड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 15 कलाकारों ने

'डोंट बिलीव द डेयरी टेल (दूध का सच)' का मंचन किया। लगभग 10 मिनट की इस प्रस्तुति ने डेयरी उद्योग से जुड़ी आम धारणाओं को चुनौती दी और लोगों को गायों तथा भैंसों के साथ होने वाले व्यवहार पर गहराई से सोचने के लिए प्रेरित किया।

खबर छपते ही झोलाछाप डॉक्टरों ने हटाई क्लीनिक से दवाइयां

गौतमपुरा में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार | बिना डिग्री लगा रहे बोतल इंजेक्शन

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा झोलाछाप डॉक्टर खबर छपते ही हरकत में आ गए देखने में आया है कि क्लीनिक से जो डॉक्टर दवाइयां बेचने का काम कर रहे, उन्होंने एक नया तरीका ढूंढ लिया प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लीनिक संचालक एलोपैथिक की दवाइयां छुपाते नजर आए, उन्होंने अपने क्लीनिक की दवाइयां पड़ोसियों के यहां छुपा कर रखवा दी, ताकि स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई में दवाइयां दिखाई ना दे। गौतमपुरा नगर में बंगाली से लेकर कहीं आयुर्वेद डॉक्टर खुलेआम बिना डिग्री क्लीनिक संचालित कर रहे है लेकिन जमीनी जानकारी में पता चला कि ना तो उनके पास क्लीनिक संचालन करने का लाइसेंस है ना परमिशन है, उसके बावजूद भी 30 से अधिक क्लीनिक गौतमपुरा में संचालित हो रहे, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से जांच और कार्रवाई की उम्मीद है। खबर के बाद ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर विभा नागर द्वारा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। पहले भी डॉक्टर अभिलाष द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई की गई इतना ही नहीं बनेडिया के एक क्लीनिक को सील भी किया गया। उसके बाद डॉक्टर अभिलाष द्वारा झोलाछाप डॉक्टर को नोटिस जारी कर डॉक्यूमेंट दिखाने के लिए कहां गया इस दौरान कहीं फर्जी क्लिनिक सामने आए उस समय की कार्रवाई के बाद अब तक क्षेत्र में कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई। गौतमपुरा नगर में नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टर काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं इन्हें सत्ताधारी नेताओं का संरक्षण भी प्राप्त है इसलिए बेखौफ होकर क्लीनिक संचालित कर रहे हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 24 अगस्त 2026

न्यूज़ ब्रीफ

श्री राम मंदिर में अंतिम सोमवार पर द्वादश ज्योतिर्लिंग महादेव की भस्मारती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम में सावन मास के पावन अवसर पर भगवान विश्वेश्वर महादेव द्वादश ज्योतिर्लिंग का लगातार 24 घंटे 41 ब्राह्मण विद्वानों के द्वारा पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज के सानिध्य में अखंड रुद्राभिषेक किया जा रहा है। महादेव की भस्म आरती की गई। शाम को भगवान विश्वेश्वर महादेव द्वादश ज्योतिर्लिंग का भांग सूखे मेवे से श्रृंगार कर फूलों से सजाया जाएगा। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज ने बताया कि सावन मास में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान का रुद्राभिषेक किया जा रहा है। इसमें भगवान विश्वेश्वर महादेव द्वादश ज्योतिर्लिंग का 41 ब्राह्मणों द्वारा बारी-बारी से 24 घंटे लगातार वैदिक मंत्रों के बीच रुद्राभिषेक किया जाता है, वेद मंत्रों की ध्वनि से परिसर गूंज रहा है, विद्वान पंडितों के मंत्रोचारों का सिलसिला 24 घंटे इससे चलता रहता है, प्रतिदिन रात्रि में भगवान अलग-अलग प्रकार से श्रृंगार कर आरती की जाती है, यह सिलसिला लगातार सावन के 1 महीने तक चलेगा।

होलकर कालीन तर्ज पर निकलेगी बाबा गुटकेश्वर महादेव की परंपरागत शाही सवारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री गुटकेश्वर धाम सद्गुरु परिवार न्यास द्वारा अंतिम सावन सोमवार को होलकर कालीन तर्ज पर बाबा गुटकेश्वर महादेव की परंपरागत शाही सवारी 24 अगस्त को किला मैदान स्थित गुटकेश्वर महादेव मंदिर से निकाली जाएगी। इस बार सवारी गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के संकल्प को लेकर निकाली जाएगी। सवारी में सैकड़ो महिलाएं सिर पर कलश लेकर सम्मिलित होगी। आयोजन प्रमुख धीरज शुक्ला, चंद्रप्रकाश दुबे ने बताया कि होलकर कालीन तर्ज पर बाबा गुटकेश्वर महादेव की शाही सवारी शाही लवाजमे के साथ 24 अगस्त को मंदिर परिसर से दोपहर 3 बजे निकलेगी। यह यात्रा श्री धाम सरकार के सानिध्य में होगी। पूरे रास्ते भर यात्रा में साधु संत चलेंगे। परंपरागत शाही सवारी का यह 28 वा वर्ष है।

युवाओं से भी ज्यादा जरूरत है माता-पिता को सुधारने की - राष्ट्रसंत सुधा सागर म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●आज के दौर में सबसे ज्यादा जरूरत युवाओं को सुधारने की है और उनसे भी ज्यादा जरूरत है माता-पिता को सुधारने की। हम बड़े लोग सुधर जाएँगे तो हमारे बच्चे भी संस्कारित ही बनेंगे। हमारे जैन छात्रावासों में रहने वाले बच्चों में से एक बच्चा भी मुनि बन गया तो समाज का जीवन धन्य हो जाएगा। माताए जींस पहनना, काले चश्मे लगाना, मोबाइल चलाना और अन्य आदतें सुधार लें तो हमारी बेटियां भी सुधर जाएगी। जो माता-पिता आकर कहते हैं कि बच्चे बिगड़ रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि पहले हम स्वयं सुधरें, फिर बच्चों की शिकायत करें। एक बेटा शिक्षित होकर जब अस्पताल, स्कूल और भोजनशाला खोलता है तो अनेकों लोगों का भला और कल्याण कर सकता है। जिस दिन हमने अपने बच्चों को संस्कारित बना दिया, उस दिन हमारी गोद में भी कोई तीर्थंकर खेल सकता है। कौन नहीं चाहता कि मैं तीर्थंकर का पिता बनूँ। आजकल लोग भगवान नहीं बनना चाहते, वे तो सीधे भगवान का पिता ही बनना चाहते हैं। ये दिव्य विचार हैं संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज के, जो उन्होंने रविवार को सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में दलाल बाग के विशाल विद्या-सुधा सत्संग मंडप में चल रहे चातुर्मास के दौरान अपने आशीर्वचन में व्यक्त किए।

दिल्ली के टेंडर के लिए सौंपे दस्तावेजों से हथिया लिया आईडीए का ठेका

इंटरनेशनल स्विमिंग कोच के साथ धोखा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के स्विमिंग पूल संचालन के टेंडर में दिल्ली के रिटायर्ड इंटरनेशनल स्विमिंग कोच मुकुंद मोहन शर्मा के शैक्षणिक और पेशेवर दस्तावेजों के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। कोच का आरोप है कि उन्होंने ये दस्तावेज फरवरी 2023 में दिल्ली के तालकटोरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के टेंडर के लिए देवा स्विमिंग इंस्टीट्यूट को दिए थे। बाद में उनकी अनुमति के बिना उन्हीं दस्तावेजों का इस्तेमाल इंदौर में आईडीए का स्विमिंग पूल संचालन हासिल करने के लिए कर लिया गया। उन्होंने इंदौर आकर पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है। अब क्राइम ब्रांच मामले में जल्द एफआईआर दर्ज की तैयारी कर रही है। शर्मा ने संबंधित टेंडर निरस्त करने, संस्था को ब्लैकलिस्ट करने और जिम्मेदार लोगों

के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शर्मा ने बताया कि वे वर्ष 2022 में अपने छात्र संदीप तोकस के माध्यम से देवा स्विमिंग इंस्टीट्यूट, इंदौर से जुड़े थे। इसके बाद 21 फरवरी 2023 को उन्होंने अपने शैक्षणिक और पेशे से जुड़े दस्तावेज संस्था के डायरेक्टर देवेंद्र लांबा और उनकी पत्नी मधुलिका को दिए थे। उनका कहना है कि ये दस्तावेज केवल नई दिल्ली के तालकटोरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के स्विमिंग पूल टेंडर में भाग लेने के लिए दिए गए थे। बाद में यह टेंडर निरस्त हो गया। शर्मा का दावा है कि इसके बाद उन्होंने अपने दस्तावेज किसी अन्य सरकारी, अर्द्धसरकारी या निजी संस्था के टेंडर में इस्तेमाल करने की कोई अनुमति नहीं दी थी।

शर्मा का आरोप है कि बाद में उन्हीं दस्तावेजों का इस्तेमाल आईडीए के स्विमिंग पूल संचालन का टेंडर हासिल करने के लिए किया गया। उनके अनुसार, 8 सितंबर 2023 को आईडीए का अनुबंध हासिल किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में उनसे न तो अनुमति ली गई और न ही उनकी लिखित सहमति ली गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टेंडर में जिन छात्रों से संबंधित दस्तावेज लगाए गए, वे कभी देवा स्विमिंग इंस्टीट्यूट से जुड़े ही नहीं थे। उन्हें मामले की जानकारी 3 साल बाद जनवरी 2026 में एक परिचित के माध्यम से जानकारी मिली कि उनके दस्तावेजों का इस्तेमाल इंदौर के आईडीए टेंडर में किया गया है। इसके बाद उन्होंने आईडीए के सीईओ को ई-मेल के जरिए शिकायत की। शिकायत का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने लिखित शिकायत के साथ शपथपत्र भी दिया। शर्मा का आरोप है कि इसके बावजूद मामले में कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं हुई।

25 फरवरी को ई-मेल, 7 मार्च को रिमाइंडर 25 फरवरी 2026 को आईडीए को ई-मेल भेजकर दस्तावेजों के कथित गलत इस्तेमाल की जानकारी दी थी। 7 मार्च 2026 को रिमाइंडर भी भेजा। कई महीने बीतने के बाद भी उन्हें जांच या कार्रवाई के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। शर्मा ने आशंका जताई है कि उनके शैक्षणिक और पेशेवर दस्तावेजों का इस्तेमाल अन्य शहरों में स्विमिंग पूल के टेंडर, लाइसेंस या परमिट हासिल करने के लिए भी किया गया हो सकता है।

माया के मोहपाश से मुक्ति के लिए शिव की आराधना सबसे श्रेष्ठ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शिव पुराण की कथा का श्रवण करना प्रयागराज के कुंभ मेले में स्नान करने जैसा ही पुण्यशाली है। शिव ऐसे देव हैं, जो हमें मुक्ति, गति और भक्ति भी प्रदान करते है। शिव पुराण की कथा मन पर पड़े माया के आवरण को हटाती है। माया का मकड़जाल मनुष्य को जीवनभर भटकता रहता है। माया के मोहपाश से मुक्ति के लिए भगवान शिव की आराधना सबसे श्रेष्ठ मानी गई है क्योंकि शिव पुराण भी स्वयं भगवान द्वारा रचे गए शब्दों की ही ऐसी जन कल्याणकारी कृति है, जो दुर्लभ मनुष्य जीवन को सही दिशा में ले जाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

तिलक नगर क्षेत्र के कृषि विहार उद्यान स्थित श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर पर चल रही शिव

महापुराण कथा में श्रीधाम वृन्दावन के प्रख्यात आचार्य पं. शिवेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कार्तिकेय और गणेश जन्म प्रसंग की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा में जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। भजन गायक नीता मिश्रा के मनोहारी भजनों पर सैकड़ों श्रद्धालु थिरकते रहे। कथा शुभारंभ के पूर्व यजमान समूह की ओर से पिंटू नामदेव, विजय मिश्रा, अभिनय सोनकर, अनिल देशमुख, अनिल जाट, प्रवीण पुरोहित, अनीश पाण्डेय आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। विद्वान वक्ता की अगवानी नीता मिश्रा, सुनीता देशमुख, भावना जाट, सीमा मिश्रा, रचना सोनकर, कृष्णा पुरोहित, पिंकी पाण्डेय सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने की और शिवपुराण का पूजन संजय खादीवाला, छत्रपाल सोलंकी एवं विजय मिश्रा ने किया।

सिंहाना में बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी सूचना पर प्रशासन ने लिया तत्काल संज्ञान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●इंदौर जिले के ग्राम सिंहाना में स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर मिली सूचना पर जिला प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए चिकित्सकीय जांच कराई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसानी के नेतृत्व में चिकित्सकीय दल को तत्काल भेजा गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हसानी ने बताया कि चिकित्सकीय जांच के दौरान किसी भी बच्चे में फूड पॉइजनिंग अथवा किसी भी तरह की बीमारी के लक्षण नहीं पाए गए हैं। सभी बच्चे पूरी तरह सामान्य और स्वस्थ हैं। एहतियात के तौर पर बच्चों की चिकित्सकीय जांच कराई गई है। उन्होंने बताया कि एक बालिका पूर्व से ही अस्वस्थ थी और उसका उपचार भी चल रहा था।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को अतिरिक्त अवसर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को प्रवेश का एक और अवसर प्रदान किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि 21 से 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। इस चरण में विद्यार्थियों को उपलब्ध रिक्त सीटों पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर निर्धारित अवधि में प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जाएगी। महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि पात्र विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया समय-सीमा में पूर्ण कराते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराएं। 31 अगस्त को निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद प्रवेश मान्य नहीं होगा। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी जारी शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी भी जारी की गई है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को पंजीयन से लेकर प्रवेश शुल्क भुगतान तक निर्धारित तिथियों में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधिकरण, उद्यानिकी और पशुपालन से जुड़े किसान : मुख्यमंत्री

नई तकनीक और नवाचार ने खेती में समृद्धि के नए रास्ते खोले हैं

किसानों को दिन में ही पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि किसानों के लिए नई तकनीक और नवाचार ने खेती में समृद्धि के नए रास्ते खोल दिए हैं। आने वाले समय में कृषि उद्योग, ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधिकरण, उद्यानिकी और पशुपालन से जुड़ने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन और मछली पालन को अपनाकर किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अशोक नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अशोकनगर के अन्नदाता अपनी मेहनत से प्रदेश भर के किसानों के लिए मिसाल बन रहे हैं। अशोकनगर की चंदेरी साड़ी ने मध्यप्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है। अशोकनगर के शरबती गेहूं का स्वाद बेजोड़ है। अशोकनगर के शरबती गेहूं की देशभर में मांग है प्रसन्नता का विषय है कि जिले के किसानों में धनिया और गुलाब जैसी उद्यानिकी फसलों के लिए रुचि बढ़ी है। कम बारिश की चुनौती के बीच डीआरएस तकनीक से धान की रोपाई का रकबा बढ़ाकर अशोक नगर के किसानों ने आपदा को अवसर में बदला है। फसल विविधीकरण से जिले में चना और मसूर का भी रकबा बढ़ा है।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के सम्मान में 24 अगस्त को नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर...

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अमित चौरसिया ने अपने प्रेस व्यक्तव्य में बताया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व मंत्री एवं जनसरोकारों के लिए पहचाने जाने वाले सज्जन सिंह वर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर 24 अगस्त को जूनी इंदौर स्थित सोनकर समाज खटीक धर्मशाला में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर आम नागरिक पंजीकरण कराकर नि:शुल्क नेत्र परीक्षण का लाभ ले सकेंगे। सेवा और जनकल्याण से जुड़े इस शिविर का आयोजन पूर्व पार्षद एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव अभय वर्मा, पवन वर्मा एवं उत्कर्ष वर्मा द्वारा किया जा रहा है। शिविर में आंखों की जांच, मोतियाबिंद रोगियों की पहचान एवं ऑपरेशन, ऑपरेशन हेतु परामर्श, नि:शुल्क चश्मों व दवाइयों का वितरण तथा नेत्रदान के लिए संकल्प पत्र भरवाने जैसी सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा का राजनीतिक जीवन इंदौर से शुरू हुआ और वे लंबे समय से मध्यप्रदेश की राजनीति में सक्रिय एवं चर्चित चेहरा रहे हैं। 1983 में इंदौर नगर निगम पार्षद के रूप में उनकी शुरुआत हुई, छात्र संघ चुनाव मे इंदौर विश्वविद्यालय अध्यक्ष रहे। इसके बाद 1985 में वे पहली बार विधायक चुने गए। वे 15वीं लोकसभा में देवास लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और राज्य सरकार में मंत्री पद पर भी रहे हैं।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत इंदौर संभाग के आठों जिलों में हर शुक्रवार आयोजित हो रहे विशेष शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेशभर में 07 अगस्त 2026 से 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026' प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत शासन के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी सीधे गांवों, कस्बों और नगरीय क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन से संवाद कर रहे हैं। प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। यह अभियान 08 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार संचालित होगा।

इसी क्रम में शुक्रवार 21 अगस्त को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत इंदौर संभाग के सभी आठ जिलों में निर्धारित क्लस्टरों में जनसंवाद, समाधान शिविर, क्षेत्रीय निरीक्षण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इंदौर जिले में विधानसभा क्षेत्र सांवेर के लसुड़िया परमार स्थित पंचायत भवन में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। खंडवा जिले में पुनासा जनपद के ग्राम अटूटखास में जिला स्तरीय अधिकारियों का दल भ्रमण करेगा तथा आसपास की ग्राम पंचायतों में सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई के तहत लंबित आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। साथ ही लोक सेवा गारंटी से संबंधित आवेदनों का भी निराकरण होगा। ग्रामीणों को उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। खरगोन जिले में भगवानपुरा विकासखंड के पीपलझोपा में भ्रमण एवं फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में जनसंवाद शिविर आयोजित किया जाएगा। बड़वानी जिले में निवाली तहसील अंतर्गत बड़गांव एवं वझर क्लस्टर की 17 ग्राम पंचायतों में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर आयोजित होंगे। धार जिले में सरदारपुर में शिविर एवं जनसंवाद कार्यक्रम होगा। इसी प्रकार बुरहानपुर जिले में नगर परिषद शाहपुर में जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। आलीराजपुर जिले में भाभरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बरझर में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। झाबुआ जिले के विकासखंड रामा अंतर्गत सामुदायिक भवन छापरी, कालीदेवी में शिविर आयोजित किया जाएगा।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी– कलेक्टर शिवम वर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण की अधिकारीवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा अनावश्यक रूप से प्रकरण लंबित न रखे जाएं। बैठक में अविवादित एवं विवादित नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि अविवादित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए और विवादित प्रकरणों में भी नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए समयबद्ध रूप से निर्णय लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रकरणों के निराकरण में गति लाई जाए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते है। इसके तहत आप चाहे प्रार्पटी व्यवसाय से जुड़े है या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

।। याददाश्त बादाम खाने से नहीं डायरी में लिखने से बढ़ती है ।।

दिमाग़ का काम सोचना, नये कारनामे करना है, याद रखना नहीं। क्यों लोड डालते हो बेचारे पर? काम की बातें डायरी में लिख लीजिए। अगर डायरी, काग़ज़ सँभालने में दिक़्क़त आ रही हो तो मोबाइल का ज़माना है। हम उसका उपयोग व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम या फ़ेसबुक जैसे टाइम किलिंग काम के लिए ज्यादा करते हैं। जबकि वो तो इससे आगे बढ़कर हमारा एक परफेक्ट पर्सनल असिस्टेंट है। पेंडिंग काम याद रखने के लिए मोबाइल में नोट्स बना लीजिए। उसमें भी अलग-अलग हेडिंग दे दीजिए। गूगल कैलेंडर में जाकर आने वाले दिनों के सारे अपॉइंटमेंट लिख लीजिए। फ़ोल्डर या व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर डॉक्टर के पर्चे, ज़रूरी काग़ज़ात सेव करते चलिए। अलार्म सिर्फ़ जगाने के लिए ही नहीं, आपको निश्चित समय पर निश्चित काम याद दिलाने का काम भी बखूबी कर सकता है। नम्बर सेव करने में कभी कंजूसी न करें। क्या पता, जीवन में कौन, कब, किस घड़ी काम में आ जाए ! मोबाइल में ऑप्शन होता है, नम्बर सेव करते समय उनकी तस्वीर लेने का, लेकर रख लीजिए। फ़ोटो देखकर याद करना आसान होता है। नम्बर पूरी डिटेल्स और रेफरेंस के साथ सेव कीजिए। इससे सिर्फ़ एक ही बार काम पड़ता है। नम्बर टेम्परेरी भी सेव कर सकते हैं ताकि बाद में ज़रूरी न होने पर हटाया जा सके। गैर-ज़रूरी फ़ोटो हाथ के हाथ डिलीट करते चलें ताकि काम की तस्वीर ढूँढने में मशक्क़्क़त न करनी पड़े। व्हाट्सएप पर सेटिंग कर लें, जिससे ग्रुप में जोड़ने से पहले किसी को भी आपकी अनुमति लेना आवश्यक हो जाए। समय ख़राब करने वाले ग्रुप से विनम्रता से क्षमा माँगकर बाहर हो सकते हैं। ऐसे व्हाट्सएप कॉन्टेक्ट्स जो डिस्टर्ब करते रहते हैं, ब्लॉक कर सकते हैं। गैर-जरूरी ऐप्स को बाय-बाय करते चलिए। तंग करने वाले नम्बर पर गुस्सा करें, इससे बेहतर है उन्हें ब्लॉक कर दें। आपका समय आपका है। लम्बी बात करने वाले कॉल्स को आप क्षमा माँगकर बाद के लिए पोस्टपोन कर दें। जब आप और वो दोनों कंफर्टेबल हों और आप चाहें तब बात कर लीजिए। ऐसे अनेक आइडिया आपके पास भी होंगे, बस उनका उपयोग कीजिए। समय ख़राब करने वाला यह फ़ोन ही समय बचाने में आपका सबसे बड़ा मददगार हो जाएगा। अन्त में फिर से मूल बात पर आ जाएँ, मोबाइल-डायरी का उपयोग कीजिए। याददाश्त के भरोसे मत रहिए। याद रखिए, एक इंच स्वर्ण से भी एक इंच समय नहीं ख़रीदा जा सकता। धन्यवाद

– समय एक ही बात कहता है, आज तुमने मुझे बचा लिया तो कल मैं तुम्हें बचा लूँगा।

– सतीश शर्मा

मोबाइल की घातक चाह का आत्मघाती दलदल और दम तोड़ते नौनिहाल

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से आई हालिया हृदयविदारक घटना ने आधुनिक समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। एक उन्नीस वर्षीय किशोर ने महज एक महंगे आईफो की मांग पूरी न होने पर पहाड़ी की चोटी से छलांग लगा दी। उसे बचाने की तीन घंटे की मर्मभेदी कोशिशों के बीच पिता ने उसे पकड़ना चाहा, पर दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरे। इस भयावह मंजर को अपनी आंखों से देखने वाली बेबस मां ने भी बदहवास होकर मौत की उसी खाई में छलांग लगा दी। चंद पलों में, एक स्मार्टफोन की जिद ने हंसते-खेलते पूरे परिवार का अस्तित्व ही मिटा दिया। यह कोई अकेली घटना नहीं है। कुछ ही समय पहले गाजियाबाद में तीन सगी बहनों द्वारा डिजिटल लत और मानसिक तनाव के चलते की गई सामूहिक खुदकुशी की घटना ने भी देश को झकझोर दिया था। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में 10 साल के मासूम बच्चे की रील देखते-देखते अचानक दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत ने तो चिकित्सा जगत को भी हैरत में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में पुरानी मोबाइल बैटरी के फटने से मासूम की जान जाने का मामला हो या ऑनलाइन गेम में पैसे हारने पर किशोरों द्वारा उठाए जाने वाले आत्मघाती कदम; ये सभी घटनाएं चिल्ला-चिल्लाकर कह रही हैं कि 'मोबाइल की चाह' अब सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि हमारे नौनिहालों के लिए एक जानलेवा महामारी बन चुकी है।

आखिर वह कोमल बचपन, जो कभी तितलियों के पीछे भागने, कागजों की कश्ती तैरने और गलियों में मिट्टी से सराबोर होने में अपनी खुशी ढूंढता था, आज पांच इंच की इस कांच की स्क्रीन का गुलाम कैसे हो गया? यह सवाल आज हर उस घर का है जहां एक बच्चा चौबीस घंटे अपनी उंगलियों को स्क्रीन पर सरकाता रहता है। सरकार के आधिकारिक आर्थिक सर्वेक्षण तक में इस समस्या को एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में चिह्नित किया चुका है। डॉक्टरों और न्यूरोलॉजिस्ट्स का स्पष्ट मानना है कि किशोरावस्था में बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता है। ऐसे में अत्यधिक और अनियंत्रित डिजिटल एक्सपोजर उनके सोचने की क्षमता को विकृत कर देता है। उनमें आवेग और चिड़चिड़ापन इस कदर बढ़ जाता है कि वे 'ना' सुनने की क्षमता पूरी तरह खो देते हैं। किसी वस्तु की मांग पूरी न होने पर या ऑनलाइन दुनिया में खुद को कमतर पाने पर वे सीधे अपनी जीवनलीला समाप्त करने जैसा भयावह कदम उठा लेते हैं।

इस विकट स्थिति के लिए किसी एक पक्ष को जिम्मेदार ठहराकर हम अपनी सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकते। इसके जिम्मेदार कई स्तरों पर मौजूद हैं। सबसे पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी माता-पिता की है। आधुनिक जीवनशैली की भागदौड़, काम के दबाव और अपनी व्यक्तिगत व्यस्तताओं के कारण पेरेंट्स ने स्मार्टफोन को एक 'सस्ते बेबीसिटर' या 'डिजिटल लोरी' के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। बच्चा रोया नहीं कि उसके हाथ में फोन थमा दिया गया, बच्चा खाना नहीं खा रहा तो स्क्रीन पर कार्टून चला दिया गया। शुरुआती दौर में जिस स्क्रीन को बहलावे का साधन समझा गया, वह धीरे-धीरे कब बच्चों के मानसिक तंत्र पर हावी हो गई, इसका अंदाजा अभिभावकों को तब लगता है जब पानी सिर से ऊपर बह चुका होता है। इसके साथ ही, बच्चों के स्क्रीन टाइम और वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, इस पर प्रभावी निगरानी रखने में पैरेंट्स पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। इस मायाजाल के पीछे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों का व्यावसायिक लालच भी पूरी तरह जिम्मेदार है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, रील्स, शॉर्ट्स और ऑनलाइन बैटल गेम्स का एल्गोरिदम इस तरह से डिजाइन किया जाता है जो सीधे मानवीय मस्तिष्क में 'डोपामाइन' के स्तर को नियंत्रित करे। यह बिल्कुल किसी मादक पदार्थ के सेवन जैसा है। जैसे ही यूजर एक रील स्क्रॉल करता है, उसे एक नया रोमांच मिलता है, जिससे उसे लगातार फोन देखते रहने की लत लग जाती है। इन कंपनियों के पास बच्चों को हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग या अश्लीलता से बचाने के लिए कोई ठोस और फुलप्रूफ सुरक्षा फिल्टर मौजूद नहीं हैं। उनके लिए बच्चे सिर्फ एक 'डेटा' और मुनाफे का जरिया हैं। हम एक ऐसे समाज में तब्दील हो चुके हैं जहां कंक्रीट के जंगलों के बीच बच्चों के लिए खेल के मैदान खत्म हो चुके हैं। एकल परिवारों के बढ़ते चलन और पड़ोसियों से संवादहीनता के कारण आज का बच्चा बेहद अकेला है। जब उसे घर के भीतर अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए कोई सजीव साथी, दादा-दादी या दोस्त नहीं मिलते, तो वह इस अकेलेपन को भरने के लिए स्मार्टफोन की आभासी दुनिया की शरण लेता है। यह आभासी दुनिया उसे झूठी तसल्ली तो देती है, लेकिन असल जिंदगी में उसे और अधिक संवेदनशून्य, आत्मकेंद्रित और कमजोर बना देती है।

स्मार्टफोन की लत सिर्फ जानलेवा हादसों या खुदकुशी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अंदर ही अंदर हमारी आने वाली पीढ़ी की मानसिक और शारीरिक क्षमता को घुन की तरह खा रही है। स्क्रीन के अत्यधिक इस्तेमाल से बच्चों में अनिद्रा (Insomnia), आंखों की गंभीर बीमारियां, मोटापा और एकाग्रता की कमी जैसी समस्याएं आम हो चुकी हैं। इससे भी खतरनाक है उनका मानसिक स्वास्थ्य। जब एक बच्चा सोशल मीडिया पर दूसरों की 'परफेक्ट' जिंदगी या महंगे गैजेट्स देखता है, तो उसमें हीन भावना घर कर जाती है। वह यह समझने में असमर्थ रहता है कि स्क्रीन पर दिखने वाली दुनिया बनावटी है। इसी हीन भावना के वशीभूत होकर वह अपने माता-पिता पर महंगे फोन या साधनों के लिए दबाव बनाता है, और इंकार मिलने पर चरम कदम उठा लेता है।

छत्रपति संभाजीनगर की घटना हमारे लिए आखिरी चेतावनी की तरह है। अगर आज भी हमने अपनी आंखें नहीं खोलीं, तो डिजिटल एडिक्शन का यह अजगर न जाने कितने और परिवारों को निगल जाएगा। समाधान के लिए हमें एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। हर घर में 'नो-गैजेट जोन' और 'नो-मोबाइल ऑवर्स' निर्धारित होने चाहिए, जिसका पालन बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी करें। पैरेंटल ऐप्स और इंटरनेट फिल्टर्स का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए ताकि बच्चे की डिजिटल गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना होगा। बच्चों को यह विश्वास दिलाना जरूरी है कि उनकी पहचान किसी महंगे गैजेट या सोशल मीडिया के लाइक्स से तय नहीं होती। उन्हें 'ना' सुनने और असफलताओं को स्वीकार करने का हौसला बचपन से ही देना होगा। सरकार को टेक कंपनियों और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए अत्यंत सख्त नियम बनाने होंगे। बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को सीमित करने वाले फीचर्स को इन-बिल्ट करना और हानिकारक वेबसाइट्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना वक्त का तकाजा है। शिक्षा व्यवस्था में भी 'डिजिटल हाइजीन' को एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

स्मार्टफोन विज्ञान का एक बेहतरीन आविष्कार है, लेकिन जब कोई आविष्कार इंसानी जान की कीमत पर हावी होने लगे, तो उसे वरदान नहीं, अभिशाप माना जाता है। नौनिहालों की जाती जान के लिए सीधे तौर पर हम सब जिम्मेदार हैं—वह माता-पिता भी जो फोन देकर निश्चिंत हो गए, वह समाज भी जिसने बच्चों से उनके खेल के मैदान छीन लिए, वह व्यवस्था भी जो तकनीक के इस बेलगाम घोड़े पर लगाम लगाने में सुस्त है। समय आ गया है कि हम बच्चों के हाथों से स्मार्टफोन छीनकर उन्हें फिर से वही पुरानी किताबें, मिट्टी के खिलौने और खुले आसमान के नीचे खेलने वाले खेल वापस लौटाएं। हमें यह याद रखना होगा कि एक आईफोन दोबारा खरीदा जा सकता है, लेकिन किसी मां-बाप के बुझ चुके घर का चिराग कभी दोबारा नहीं जल सकता।

अंततः, हमें यह स्वीकार करना होगा कि डिजिटल युग का यह संकट किसी एक घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, यह हमारी पूरी सभ्यता की परीक्षा है। तकनीक सुविधा के लिए थी, समर्पण के लिए नहीं। जब हम अपने बच्चों को समय देने के बजाय उनके हाथों में चमचमाता स्मार्टफोन थमाते हैं, तो असल में हम उनकी मासूमियत का सौदा कर रहे होते हैं। आज हर माता-पिता को खुद से यह कड़वा सवाल पूछना होगा— 'क्या पांच इंच की उस बेजान स्क्रीन की कीमत, मेरे बच्चे की अनमोल मुस्कान और उसकी जिंदगी से ज्यादा है? '

यदि आज भी हमारा समाज इस सामूहिक मतिभ्रम से बाहर नहीं निकला, तो आने वाला इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह समय दोषारोपण का नहीं, बल्कि आत्म-मंथन और कड़े फैसलों का है। सरकारें नियम बनाएंगी, कंपनियां मुनाफा कमाएंगी, लेकिन अपने बच्चे को इस 'सफेद जहर' से बचाना अंततः हमारी अपनी जिम्मेदारी है। याद रखिए, बचपन दोबारा लौटकर नहीं आता, और खोई हुई सांसें किसी भी डिजिटल स्टोर पर वापस नहीं मिलतीं। आइए, आज ही संकल्प लें कि हम अपने घरों को तकनीक का गुलाम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का जीवंत केंद्र बनाएंगे।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक,
समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

बाग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुंबई महाराष्ट्र से पीड़िता को आरोपी के कब्जे से किया दस्तयाब, आरोपी गिरफ्तार

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

17 अगस्त को थाना बाग क्षेत्र निवासी पीड़िता अपने घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों की रिपोर्ट पर थाना बाग में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पीड़िता एवं आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पीड़िता की दस्तयाबी एवं आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित की गई।

पुलिस टीम द्वारा साइबर पुलिस की तकनीकी सहायता से लगातार पतारसी की गई। तकनीकी जानकारी के आधार पर पीड़िता के मुंबई,

महाराष्ट्र में होने की सूचना प्राप्त हुई।

पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 19 अगस्त को मुंबई महाराष्ट्र के तिलक नगर क्षेत्र से पीड़िता को आरोपी के कब्जे से सकुशल दस्तयाब किया गया।

प्रकरण में आरोपी सुशील पिता कुलदीप राजभर, उम्र 24 वर्ष, निवासी गोमकोठी, तहसील फूलपुर, जिला आजमगढ़, उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कुक्षी के समक्ष पेश किया गया।

सुशील पिता कुलदीप राजभर, उम्र 24 वर्ष, निवासी गोमकोठी, तहसील फूलपुर, जिला आजमगढ़, उत्तरप्रदेश।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी बाग निरीक्षक हीरू रावत, चौकी प्रभारी डेहरी उपनिरीक्षक भूपेंद्र खरतिया, सहायक उपनिरीक्षक गोरे लाल शुक्ला, आरक्षक प्रीतम एवं थाना/चौकी स्टाफ की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

जैतपुरा में पुराने विवाद को लेकर चाकूबाजी

आरोपी की तलाश में पुलिस की दबिश

धार • दैनिक इंदौर संकेत

आज 23 अगस्त को दोपहर लगभग 03:40 बजे जैतपुरा स्थित शिवम होटल के सामने पुराने विवाद को लेकर दो व्यक्तियों के बीच चाकूबाजी की घटना घटित हुई। घटना में शुभम पिता प्रकाश मारू, उम्र 30 वर्ष, निवासी रामनगर घायल हुआ है। घायल द्वारा बताए अनुसार आरोपी शुभम रोमियो, निवासी थाना अमझेरा द्वारा चाकू से वार किया गया। घायल को उपचार हेतु जिला अस्पताल धार में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

पुलिस कार्यवाही

घटना की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश हेतु तत्काल कार्रवाई की गई। एसडीओपी एवं थाना प्रभारी नौगांव द्वारा पुलिस बल के साथ आरोपी के थाना नौगांव क्षेत्र अंतर्गत कैलाश नगर स्थित किराए के मकान सहित अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। संदेही आरोपी के पिता एवं अन्य परिजनों से पूछताछ की जा रही है। आरोपी की तलाश एवं घटना के संबंध में अग्रिम वैधानिक

कार्रवाई जारी है।

घायल

शुभम पिता प्रकाश मारू, उम्र 30 वर्ष, निवासी रामनगर जिला अस्पताल में उपचाररत, खतरे से बाहर

आरोपी

शुभम रोमियो, निवासी थाना अमझेरा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई तथा घायल को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया गया।

फरार हथियार तस्कर पकड़ा, ठिकाने बदलकर दे रहा था चकमा

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • भीकनगांव पुलिस ने 11 साल से फरार आरोपी सतनाम सिकलीगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे रविवार सुबह सिगनूर से पकड़ा। सतनाम पर हथियारों की तस्करी, चोरी और मारपीट के 7 मामले दर्ज हैं। वह साल 2015 से एक मामले में फरार था। पुलिस के अनुसार, सतनाम के खिलाफ थाना मेनगांव (जैतापुर) में साल 2015 में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में वह पुलिस की तलाश में था। भीकनगांव थाने में भी उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, सतनाम लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। इसलिए उसे पकड़ना मुश्किल हो रहा था। थाना प्रभारी बलरामसिंह राठौर ने बताया कि मुखबिर से उसकी जानकारी मिली थी। इसके बाद आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की एक टीम बनाई गई। टीम ने रविवार सुबह सिगनूर में छापा मारकर सतनाम को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया।

नर्मदा तट पर युवक डूबने से बचा, गोताखोरों ने निकाला बाहर

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह• नावघाटखेड़ी स्थित नर्मदा तट पर रविवार सुबह एक युवक को डूबने से बचा लिया गया। इंदौर निवासी यह युवक नर्मदा स्नान के दौरान गहरे पानी में चला गया था। स्थानीय गोताखोर बाबूलाल मंगले ने अपनी जान जोखिम में डालकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, इंदौर निवासी मुकेश वर्मा नर्मदा दर्शन और स्नान के लिए नावघाटखेड़ी तट पर आए थे। स्नान करते समय वे तेज जलप्रवाह की चपेट में आ गए। नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण मुकेश संभल नहीं पाए और गहरे पानी में खिंचते चले गए। वे डूबने लगे और मदद के लिए चिल्लाने लगे। घाट पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई, लेकिन तेज लहरों के कारण कोई आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। इसी दौरान किनारे पर मौजूद अनुभवी गोताखोर बाबूलाल मंगले की नजर डूबते हुए मुकेश पर पड़ी। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी जान की परवाह किए बगैर तुरंत नर्मदा नदी में छलांग लगा दी। बाबूलाल ने तेज बहाव के बीच कड़ी मशक्कत करते हुए मुकेश को पकड़ा और कुशलतापूर्वक तैरते हुए किनारे तक ले आए। मुकेश को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद प्राथमिक उपचार दिया

गया। उनकी स्थिति अब पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य बताई जा रही है। युवक ने गोताखोर बाबूलाल मंगले के प्रति आभार व्यक्त किया। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नर्मदा घाटों पर सुरक्षा रैलिंग, चेतावनी बोर्ड और प्रशिक्षित गोताखोरों की स्थायी तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

विश्वकर्मा समाज का पेपरलेस परिचय सम्मेलन, स्मारिका का विमोचन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • अखिल भारतीय विश्वकर्मा युवा मंच के तत्वावधान में युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पूरी तरह पेपरलेस रहा, जिसमें न तो कोई रसीद दी गई और न ही कागजी बायोडाटा स्वीकार किए गए। रविवार को राधा कुंज मांगलिक भवन में सम्मेलन की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा की आरती के साथ हुई। इसके बाद परिचय सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया गया। इस स्मारिका में 500 से अधिक युवक-युवतियों के बायोडाटा प्रकाशित किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान 200 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच से अपना परिचय दिया। बायोडाटा केवल सोशल मीडिया के माध्यम से ही स्वीकार किए गए थे।

इस अवसर पर अतिथि खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पांचाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश शर्मा, शैलेंद्र कड़वाने, किशोर कर्मा, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश पांचाल और राष्ट्रीय महामंत्री लेखराज पांचाल सहित समाज के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

अतिथियों का साफा पहनाकर और दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार शर्मा ने किया, जबकि प्रदेश अध्यक्ष संतोष विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया।

आज भारत को अर्जेंटीना के खिलाफ चाहिए बड़ी जीत

एमस्टलवीन (एजेंसी) • भारतीय पुरुष टीम सोमवार को हॉकी वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना आखिरी पूल ई मैच खेलने उतरेगी। सेमीफाइनल में पहुंचने की उनकी उम्मीदें मुश्किल गणित पर टिकी हैं। मेजबान नीदरलैंड्स से 1-3 की हार के बाद दूसरे चरण के अपने पहले मैच में भारत को कोई अंक नहीं मिला। इससे वह सोमवार को वैगनर स्टेडियम में अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले 'करो या मरो' के मुकाबले से पहले मुश्किल स्थिति में हैं। गलती की गुंजाइश बहुत कम है, इसलिए भारत को अपना अभियान जारी रखने के लिए न केवल जीत की ज़रूरत है, बल्कि दूसरे मैचों के नतीजों का भी उनके पक्ष में होना ज़रूरी है। नीदरलैंड्स छह अंकों के साथ पूल ई में सबसे आगे है, जबकि इंग्लैंड और अर्जेंटीना तीन-तीन अंकों पर हैं। भारत शून्य अंकों और माइनस-4 के गोल अंतर के साथ सबसे नीचे है। सोमवार को दूसरे मैच में इंग्लैंड का सामना नीदरलैंड्स से होगा। अगर भारत अर्जेंटीना को हरा देता है, तो अंत में गोल अंतर से भारत की किस्मत तय हो सकती है। टॉप दो में जगह बनाने और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को अर्जेंटीना के खिलाफ बड़ी जीत की ज़रूरत है। तीन गोल से जीत हासिल करने पर भारत का गोल अंतर माइनस-1 हो जाएगा और अर्जेंटीना का माइनस-3। ऐसी स्थिति में इंग्लैंड को नीदरलैंड से कम से कम दो गोल से हारना होगा।

त्रिशा-गायत्री ने रचा इतिहास, जीता ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारत की तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत को 15 साल बाद वूमंस डब्ल्स कैटेगरी में मेडल मिला है। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। शनिवार को भारतीय जोड़ी वूमंस डब्ल्स का सेमीफाइनल हार गईं। उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 जोड़ी चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग ने 18-21, 21-13, 21-8 से हराया। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एक घंटे 11 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया, लेकिन, बाकी को दो गेम गंवा बैठी। पहला गेम में भारतीय जोड़ी एक समय 16-18 से पीछे थी, लेकिन इसके बाद लगातार पांच अंक जीतकर शानदार वापसी की। उसने गेम 21-18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में तृष-गायत्री 8-10 से पीछे चल रही थीं। फिर इंडियन पेयर ने लगातार अंक लेकर ब्रेक तक 11-10 की बढ़त ली। ब्रेक के बाद चीनियों ने वापसी की और 21-13 से गेम जीता। तीसरे गेम में चीनी खिलाड़ियों

ने भारतीय जोड़ी को ज्यादा मौके नहीं दिए। उन्होंने 21-8 से गेम जीतकर फाइनल में जगह बनाई। तृषा-गायत्री के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ भारत के वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल की संख्या 16 हो गई है।

ब्राजील के खिलाफ मैच पर बाइचुंग भूटिया ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारत और पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के बीच 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले हाई-प्रोफाइल फ्रेंडली मैच को लेकर फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। ब्राजील जैसी दिग्गज टीम के खिलाड़ियों को भारत में खेलते देखने का मौका निश्चित रूप से देश के युवा फुटबॉल प्रेमियों के लिए खास होगा। हालांकि, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने इस मुकाबले के आयोजन पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रशंसकों से मैच के बहिष्कार की अपील की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्राजील के भारत दौरे और मुकाबले के आयोजन पर करीब 60 से 70 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। भूटिया का कहना है कि भारतीय फुटबॉल को इस समय बड़े प्रदर्शनात्मक मुकाबले की बजाय

जमीनी स्तर और क्लब फुटबॉल में निवेश की जरूरत है। उनके अनुसार 90 मिनट के मैच पर इतनी बड़ी राशि खर्च करना संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं है। उन्होंने प्रशंसकों से मुकाबले का बहिष्कार कर आयोजकों और फुटबॉल महासंघ को संदेश देने की अपील की। भूटिया ने कहा कि अगर प्रशंसक मैच का बहिष्कार करते हैं तो यह बड़ा संदेश होगा और भविष्य में आयोजकों तथा महासंघों को ऐसे फैसले लेने से पहले दो बार सोचना पड़ेगा।

ब्राजील के मैच को प्राथमिकता देने के लिए भारत के पहले प्रस्तावित फीफा आसियान कप से हटने के फैसले पर भी भूटिया पहले आलोचना कर चुके हैं। इस प्रतियोगिता में भारत का सामना

इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर से होना था। भूटिया ने पश्चिम बंगाल सरकार से भी इस आयोजन पर संभावित खर्च को लेकर पुनर्विचार करने की अपील की। उनका सुझाव है कि यदि सरकार के पास 30 करोड़ रुपये जैसी राशि उपलब्ध है तो उसे खेल के स्थायी ढांचे और खिलाड़ियों के विकास पर खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस रकम से अगले कुछ वर्षों में फुटसल और सेवन-ए-साइड फुटबॉल के करीब 100 मैदान विकसित किए जा सकते हैं।

सामंथा रुथ प्रभु की 'माँ इंटी बंगारम' हिंदी में सोनी लिव पर स्ट्रीम

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म मा इंटी बंगारम अब हिंदी में सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है। परिवार, भावनाओं और रहस्यों से बुनी यह कहानी घर वापसी के एक सफर को दर्शाती है, जो अप्रत्याशित मोड़ ले लेता है। फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के बीच सामंथा ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मां इंटी बंगारम मेरे लिए सिर्फ एक और फिल्म नहीं थी। हमने इसे मजेदार और दिल को खुश कर देने वाली फिल्म बनाने की कोशिश की थी और इसे बनाते हुए जो खुशी मिली, वह आज भी मेरे साथ है। उन्होंने कहा कि यह दिल को छू लेने वाली और आसानी से एंजॉय की जा सकने वाली कहानी है। मुझे खुशी है कि अब यह हिंदी में भी सोनी लिव पर उपलब्ध है। यह ऐसी फिल्म है जिसे आप शनिवार की दोपहर अपने परिवार के साथ, अच्छा खाना खाते हुए आराम से देख सकते हैं। बस बैठिए, रिलैक्स कीजिए और इस सफर का

आनंद लीजिए। बीवी नंदिनी रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु दमदार और बहुआयामी किरदार में नजर आती हैं। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंत मंचाले और गौतमी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। एक्शन और मनोरंजन से भरपूर मां इंटी बंगारम अब हिंदी में सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है।

अलका आहूजा का किरदार निभाकर प्रभावित हुईं अमृता

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री अमृता बागची हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा की भूमिका निभा रही हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, इस किरदार के व्यक्तित्व और जीवन के प्रति उनके सकारात्मक नजरिए ने उन्हें बेहद प्रभावित किया और इसी वजह से उन्होंने इस सीरीज का हिस्सा बनने का फैसला किया। अमृता ने एक बातचीत में अपने किरदार और इसकी तैयारी से जुड़ी कई बातें साझा की। अमृता ने बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व में उन्हें एक ऐसी महिला दिखाई दी, जो कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती और सहजता बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि अलका में बहादुरी के साथ-साथ सकारात्मकता और सहजता भी है। मुश्किल परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद उनके भीतर कड़वाहट नहीं आई और उन्होंने अपना भरोसा बनाए रखा। अभिनेत्री के अनुसार, अलका ने बेहद सहज तरीके से जिंदगी को आगे बढ़ाया, जो उन्हें व्यक्तिगत तौर पर काफी प्रेरणादायक लगा। सीरीज में अलका और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को केवल पति-पत्नी के रूप में नहीं, बल्कि दोस्ती और बराबरी पर आधारित संबंध के तौर पर दिखाया गया है। अमृता ने बताया कि इस रिश्ते को पर्दे पर विश्वसनीय बनाने के लिए उन्होंने कई स्तरों पर तैयारी की। उन्होंने निर्देशक ओनी सेन, रचनाकार अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बातचीत की। कुशल श्रीवास्तव कारगिल युद्ध के समय भारतीय वायुसेना में थे। उनसे बातचीत के दौरान अभिनेत्री को उस दौर और सैन्य जीवन की कई बारीकियों को समझने का मौका मिला। अमृता ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा से व्यक्तिगत मुलाकात भी की थी। इस बातचीत ने उन्हें किरदार की मूल भावना और अजय आहूजा के साथ उनके रिश्ते को समझने में मदद की। उनके मुताबिक, दोनों के रिश्ते की बुनियाद बराबरी और आपसी समझ पर आधारित थी। इसके बाद अभिनेता सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और दृश्यों की तैयारी शुरु हुई। अभिनेत्री ने सिद्धार्थ की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले व्यक्ति हैं और बेहद मिलनसार तथा उदार सह-अभिनेता हैं। दोनों की सोच में समानता होने के कारण साथ काम करने की प्रक्रिया सहज रही। अमृता के मुताबिक, पर्दे पर उनके किरदारों के बीच दिखाई देने वाली सहजता इसी आपसी समझ और तालमेल का नतीजा है।

उज्जैन संभाग

यूसीसी को लेकर मुस्लिम कमेटी का ज्ञापन, धार्मिक और संवैधानिक अधिकारों पर हो गंभीर विचार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मुस्लिम नुमाइंदा कमेटी ने मप्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक-2026 को लेकर कमेटी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंपकर विधेयक के प्रावधानों पर पुनर्विचार की मांग की। इस प्रदर्शन में जामा मस्जिद में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं शामिल हुईं। मंच पर महिला प्रतिनिधि मौजूद थीं, जबकि सामने एकत्रित महिलाओं के हाथों में तख्तियां और तिरंगे झंडे देखे गए। महिलाओं ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध किसी समुदाय या सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि विधेयक के उन प्रावधानों को लेकर है, जिन्हें वे अपने धार्मिक और व्यक्तिगत कानूनों से जुड़ा मानती हैं। ज्ञापन में संविधान के मौलिक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक अधिकारों का हवाला दिया गया है। कमेटी ने अनुच्छेद 44 का उल्लेख करते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता नीति-निर्देशक तत्वों में शामिल है, जबकि धार्मिक स्वतंत्रता मौलिक अधिकारों का हिस्सा है। कार्यक्रम में शामिल डॉक्टर फौजिया अंजुम ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को केवल समानता के नाम पर विधेयक का समर्थन करने के बजाय उसके प्रावधानों को गहराई से समझना चाहिए। पार्षद नाजिया कुरैशी ने बताया कि यह प्रदर्शन मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों और शरीयत से जुड़े मामलों को लेकर है। उन्होंने उन दावों को भी खारिज किया, जिनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं द्वारा ष्ष्ट के समर्थन की बात कही जा रही है। कमेटी ने राष्ट्रपति से चार प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 को मौजूदा स्वरूप में वापस लेने या उस पर पुनर्विचार करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा, सभी प्रभावित समुदायों से व्यापक परामर्श तथा मुस्लिम एवं अन्य धर्म-निर्देशित समुदायों को कानून में अलग-अलग श्रेणियों में रखने के बजाय समान दृष्टिकोण अपनाने की मांग की गई है।

स्टेशन पर सीट पर विवाद दो परिवारों में मारपीट एक यात्री घायल

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा • रेलवे स्टेशन पर शनिवार-रविवार की देर रात जयपुर सुपरफास्ट ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर दो यात्री परिवारों के बीच विवाद हो गया। यह विवाद जल्द ही मारपीट में बदल गया, जिसमें एक पक्ष का यात्री घायल हो गया और उसे चोटें आईं। घटना देर रात करीब 1 बजे हुई, जब जयपुर सुपरफास्ट ट्रेन नागदा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंची। ट्रेन रुकते ही सीट पर बैठने को लेकर दोनों परिवारों में बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर मौजूद अन्य यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक महिला रोते हुए मारपीट रोकने की अपील करती सुनाई दे रही है। वीडियो में महिला 'मत मारो, बहुत खून बह रहा है, हमें आगे जाना है' कहती हुई सुनी जा सकती है। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक पक्ष उज्जैन से ट्रेन में सवार हुआ था, जबकि दूसरा पक्ष नागदा का निवासी बताया जा रहा है। हालांकि, विवाद की वास्तविक वजह को लेकर पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। घटना के बाद सोशल मीडिया और यात्रियों के बीच चाकू से हमले की अफवाह फैल गई थी। हालांकि, रेलवे पुलिस ने इस बात का खंडन किया है। जीआरपी ने स्पष्ट किया है कि मारपीट हुई थी, लेकिन चाकू से हमला होने की बात सही नहीं है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में किसी भी पक्ष द्वारा कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। आरपीएफ थाना प्रभारी ममता अलावा ने भी बताया कि नागदा रेलवे स्टेशन पर दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी, लेकिन किसी भी पक्ष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है।

श्री रामानुजकोट में आज से झूलन उत्सव, 28 अगस्त तक होंगे धार्मिक आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • रामघाट मार्ग स्थित श्री रामानुजकोट आश्रम में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री लक्ष्मी वेंकटेश भगवान का झूलन महोत्सव आज से शुरू होगा। आश्रम के पीठाधीश्वर 1008 स्वामी रंगनाथाचार्य महाराज एवं युवराज स्वामी डॉ. माधव प्रपन्नाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में यह उत्सव 28 अगस्त तक मनाया जाएगा। आश्रम के प्रबंधक पंडित आत्माराम शर्मा ने बताया कि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 12 बजे तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों और विद्युत रोशनी से सजाया जाएगा। भगवान चंदन के झूले में मूल विग्रह के रूप में विराजित होकर भक्तों को दिव्य दर्शन देंगे। प्रतिदिन भगवान का अलग-अलग श्रृंगार और विशेष पुष्प सज्जा आकर्षण का केंद्र रहेगी। महोत्सव में आकाशवाणी के कलाकारों द्वारा झूलन पद एवं भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आश्रम के विद्यार्थियों द्वारा श्री रामानुज संकीर्तन, गीता पाठ और विष्णु सहस्रनाम का पाठ भी किया जाएगा। प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रमों के समापन पर आरती होगी तथा भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। स्वामी रंगनाथाचार्य महाराज ने बताया कि झूलन महोत्सव की विशेषता यह है कि वर्ष में एक बार भगवान मंदिर के गर्भगृह से बाहर आकर झूले में विराजित होते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। महोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

साड़ी-घूंघट में बाइक पर युवक को देख ग्रामीणों ने रोका

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • चिरोला गांव में एक युवक को साड़ी और घूंघट में बाइक पर जाते देख ग्रामीणों ने रोक लिया। ग्रामीणों को युवक पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने उससे पूछताछ शुरू कर दी। यह मामला इतना बढ़ गया कि दोनों युवकों को पुलिस के हवाले करना पड़ा। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सड़क पर ग्रामीणों की भीड़ और साड़ी पहने युवक से पूछताछ करते लोग दिखाई दे रहे हैं। यह घटना गुरुवार की है। जिसका वीडियो रविवार को सामने आया है। बताया जा रहा है कि चिंतामन-जवासिया निवासी संदीप अपने दोस्त आदित्य के साथ बड़ा गांव जन्मदिन मनाने गया था। आदित्य, संदीप को साड़ी-ब्लाउज पहनाकर बाइक से खरसोद ले जा रहा था। संदीप ने घूंघट कर रखा था और गले में हैंडफ्री भी लगी थी। दोनों दोस्तों की योजना अपने परिवार को शादी से जुड़ा एक अनोखा सरप्राइज देने की थी। चिरोला गांव के रास्ते में ग्रामीणों को साड़ी और घूंघट में युवक को देखकर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने बाइक रुकवा ली। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि ग्रामीणों की भीड़ ने साड़ी पहने युवक से उसके निवास स्थान और गंतव्य के बारे में पूछताछ की। कुछ ग्रामीण उससे आधार कार्ड दिखाने के लिए भी कहते सुनाई दे रहे हैं। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि वह खरसोद का निवासी है और बड़ा गांव जा रहा था। जब ग्रामीणों ने उसका घूंघट उठाया, तो सामने एक युवक निकला। इस खुलासे के बाद मौके पर काफी हंगामा हुआ।

सिंहस्थ से पहले अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई, चक्रतीर्थ से अवैध निर्माण हटाए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ की तैयारियों के बीच नगर निगम ने चक्रतीर्थ क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। रविवार को जोन क्रमांक-1 के वार्ड क्रमांक-13 स्थित इस धार्मिक स्थल से अस्थायी अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाए गए। निगम की रिमूवल टीम और जेसीबी मशीन मौके पर पहुंची। टीम ने चक्रतीर्थ क्षेत्र में किए गए सभी अस्थायी ढांचों को हटाकर जगह को अतिक्रमण मुक्त कराया। वहां मौजूद कुछ लोगों ने आपत्ति ली लेकिन पुलिस बल की भारी मौजूदगी के कारण निगम की टीम ने अपनी कार्रवाई जारी रखी और सभी अस्थायी अतिक्रमण हटा दिए। शिप्रा नदी के किनारे स्थित चक्रतीर्थ उज्जैन के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां प्रतिदिन बड़ी

संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक आते हैं। नदी किनारे बढ़ते अस्थायी निर्माण और अतिक्रमण प्रशासन के लिए चिंता का विषय बने हुए थे। सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन में करोड़ों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन नदी के घाटों, धार्मिक स्थलों और प्रमुख मार्गों के आसपास की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने में जुटा है। यह कार्रवाई इसी व्यापक अभियान का हिस्सा है। प्रशासन का उद्देश्य ऐसे सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कर आम लोगों और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाना है। अस्थायी निर्माणों के कारण सार्वजनिक स्थानों के उपयोग और सुरक्षा पर भी सवाल उठते रहे थे। कार्रवाई के समय प्रशासन और पुलिस के कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इनमें सहायक आयुक्त राघवेंद्र सिंह पालिया, तहसीलदार शेफाली जैन, भवन अधिकारी राजकुमार राठौर, भवन निरीक्षक शिवम गुप्ता, सीएसपी पुष्पा प्रजापति और संबंधित थाना प्रभारी सहित पुलिस बल शामिल था।

डीपी ज्वैलर्स में वजन मशीन में गड़बड़ी सील और सर्टिफिकेट भी निकले मिले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में डीपी आभूषण फर्म के रेसकोर्स रोड स्थित डीपी ज्वैलर्स शोरूम की वजन मशीन में गड़बड़ी है। अधिवक्ता ग्राहक अंशुमन जाट वहां खरीदी के लिए गए थे। जब एक जेवर को दो मशीनों पर तुलवाया, तो इसमें कम-ज्यादा पाया गया। जब मशीन को देखा तो उस पर नापतौल का सर्टिफिकेट और सील/साइन नहीं थे। मौके से ही कलेक्टर शिवम वर्मा को शिकायत की गई। इसके बाद नापतौल विभाग के कंट्रोलर के. एस. ठाकर और सब कंट्रोलर संजय पाटणकर जांच के लिए पहुंचे। यह फर्म संतोष कटारिया व विकास कटारिया की है। यह फर्म मूल रूप से रतलाम की है। इसके इंदौर सहित कई शहरों में शोरूम हैं।

जांच में 19 मिलीग्राम का मिला अंतर-जांच में पाया गया कि एक मशीन में 19 मिलीग्राम वजन का अंतर था। इस पर शोरूम के मैनेजर ने कहा कि चार में से एक पाया टूट गया है और गलती से इस पर ध्यान नहीं दिया गया, इसलिए ऐसा हुआ। वहीं नापतौल विभाग द्वारा वजन मशीन को सर्टिफाइड किया जाता है, लेकिन यह सर्टिफिकेट मशीन के पास नहीं था और अलग बॉक्स में रखा गया था। साथ ही विभाग द्वारा सत्यापन करते समय लगाई गई सील भी मशीन पर नहीं थी। इसके लिए शोरूम मैनेजर ने कहा कि सील बार-बार गिर रही थी इसलिए अलग रखी है और वह विभाग के अधिकारियों को दिखाई गई।

अधिकारियों ने की केस बनाने की पुष्टि

कंट्रोलर के.एस.ठाकुर ने कहा कि शिकायत के बाद शोरूम पर वजन मशीन को लेकर केस बनाया गया है। इसमें एक मशीन में वजन तौलने में खामी थी, उसका पाया टूटा था। वहीं सील और सर्टिफिकेट का सही डिस्प्ले नहीं था। नियमानुसार इस केस में हर डायरेक्टर, फर्म और शोरूम मैनेजर पर 5500-5500 रुपए का अर्थदंड लगता है। वहीं इस संबंध में द सूत्र ने शोरूम मालिक संतोष कटारिया को फोन किया और व्हाट्सएप मैसेज किया लेकिन उनका जवाब नहीं आया।

शिकायत करने वाले ग्राहक बोले- इसमें मिलीभगत-वहीं इस मामले की शिकायत करने वाले ग्राहक अधिवक्ता जाट ने कहा कि यह काम बिना विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के नहीं हो सकता है। जब सील और सर्टिफिकेट मशीन पर होने चाहिए थे, तो वह क्यों नहीं थे? क्योंकि मैं अधिवक्ता था और कलेक्टर को शिकायत की थी इसलिए यह कार्रवाई हो सकी। हालांकि विभागीय अधिकारी ठाकुर ने कहा कि मिलीभगत वाली कोई बात नहीं है। विभाग ने दिसंबर 2025 में यह सारी मशीनें सत्यापित की थीं और इसके सील व सर्टिफिकेट भी थे। लेकिन सील बार-बार निकल रही थी तो उन्होंने वहां से हटा दी थी, जिस पर जुर्माने का प्रावधान है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सीकेडी गार्डन एंड रेस्टोरेंट पर कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ●प्रदेश में आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा खाद्य कारोबार प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर इंदौर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन की स्थिति की जांच की जा रही है। 22 अगस्त को जिला प्रशासन से श्रीमती सपना शर्मा, तहसीलदार इंदौर के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा निरंजनपुर, एबी रोड, इंदौर स्थित CKD Garden & Restaurant का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर अंश ठाकुर मौके पर उपस्थित पाए गए। संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा प्रतिष्ठान के किचन, स्टोर रूम एवं खाद्य पदार्थों के भंडारण की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

प्रायोगिक और प्रोजेक्ट के अंक ऑनलाइन भेजने की तारीख तय

महाविद्यालयों ने ऑनलाइन अंक नहीं भेजे तो रुक जाएगा विद्यार्थियों का परिणाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय एमबीए (पूर्णकालीन) तीसरे सेमेस्टर विशेष एटीकेटी परीक्षा, एमबीए एफए, एमएम, एचए तीसरे सेमेस्टर विशेष एटीकेटी परीक्षा के सीसीई, प्रायोगिक व प्रोजेक्ट के अंक 25 सितंबर तक लेगा। अंक 25 सितंबर तक आवश्यक रूप से ऑनलाइन दर्ज करने है। लापरवाही बरतने पर विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रोका जा सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित कॉलेज के प्राचार्य की रहेगी। इसी तरह पीजी दूसरे सेमेस्टर पुराना पाठ्यक्रम एटीकेटी विद्यार्थियों के अंक 10 सितंबर तक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से लिए जाएंगे। एनईपी के अंतर्गत यूजी के तीसरे और चौथे वर्ष (परंपरागत व स्ववित्त पाठ्यक्रम) के नियमित, स्वाध्यायी और भूतपूर्व विद्यार्थियों की पूरक परीक्षा के सीसीई, प्रायोगिक और प्रोजेक्ट अंक भी 10 सितंबर तक लिए जाएंगे।

भौतिक उपस्थिति के साथ संपन्न होंगी परीक्षाएं: परीक्षा नियंत्रक के अनुसार परीक्षा भौतिक रूप से विद्यार्थियों की उपस्थिति के साथ संपन्न करवाई जाएगी। इसमें नियमित, भूतपूर्व और एटीकेटी प्राप्त सभी श्रेणियों के विद्यार्थी शामिल होंगे। अंक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से भेजना है।

नहीं तो प्राचार्य होंगे सीधे जिम्मेदार

परीक्षा नियंत्रक ने स्पष्ट कहा है कि यदि समय पर अंक पोर्टल पर प्राप्त नहीं होते हैं और इस वजह से विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रुकता है, तो इसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य की रहेगी। केवल ऑनलाइन अंक दर्ज करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कॉलेजों को अंक अपलोड करने के बाद उसकी एक हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर (खंडवा रोड़) स्थित कम्प्यूटर सेंटर के विभागाध्यक्ष को अनिवार्य रूप से भेजना है। प्रत्येक कॉलेज को अपने अधिकृत प्रतिनिधि का फोन नंबर और ईमेल आईडी प्रायोगिक परीक्षा सेल के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजना है।

स्वेच्छा से परीक्षक नियुक्त नहीं कर सकेंगे महाविद्यालय

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025-2026 के अंतर्गत विभिन्न प्रायोगिक परीक्षाओं को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। परीक्षा नियंत्रक ने स्पष्ट कहा है कि इंदौर संभाग (इंदौर, धार, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, अलीराजपुर) के सभी संबद्ध महाविद्यालयों में एमबीए विशेष एटीकेटी, एनईपी यूजी पूरक और पीजी पूरक दूसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं पूर्व में निर्धारित बाह्य परीक्षकों के पैनल के माध्यम से ही करवाई जाएगी। महाविद्यालय स्तर पर स्वेच्छा से परीक्षक नियुक्त करने की अनुमति नहीं रहेगी। **एमबीए परीक्षा :** एमबीए (पूर्णकालीन) व (एफए, एमएम, एचए) तीसरे सेमेस्टर विशेष एटीकेटी प्रायोगिक परीक्षा के दिशा-निर्देश जारी किए गए है। प्रायोगिक परीक्षाएं उन बाह्य परीक्षकों से ही ली जाएंगी जिन्होंने सेमेस्टर की परीक्षा संपन्न करवाई थी। परीक्षक के असमर्थ होने पर महाविद्यालय को ई-मेल से तुरंत सूचित करना रहेगा।

सारेगामापा ने जमा करवाया 65 लाख रुपए का बकाया मनोरंजन कर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट का आयोजन करने वाली इवेंट कंपनी सारेगामापा ने नगर निगम का बकाया 65 लाख रुपए का मनोरंजन कर जमा कर दिया है। पिछले इवेंट में तय क्षमता से करीब 24 हजार अधिक टिकट बेचने के मामले के बाद कंपनी पर मनोरंजन कर की राशि बकाया थी। निगम ने कंपनी के मुंबई स्थित कार्यालय से भी कर वसूली के लिए संपर्क किया था।

अब कंपनी द्वारा इंदौर में शनिवार और रविवार को दो दिवसीय 'कृष्णा राधा से रणभूमि तक' इवेंट आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर नगर निगम ने फिलहाल 45 लाख रुपए के मनोरंजन कर की डिमांड जारी की है। इसमें से अभी तक करीब 3 लाख रुपए निगम के खाते में जमा किए गए हैं। इवेंट में कुल चार शो आयोजित होने की जानकारी सामने आई है। राजस्व

दिलजीत दोसांझ

समिति प्रभारी निरंजन सिह चौहान ने बताया कि सारेगामापा इवेंट कंपनी पर 65 लाख रुपए का मनोरंजन कर बकाया था। इंदौर में नया इवेंट आयोजित करने से पहले निगम ने कंपनी से एनओसी के लिए बकाया कर जमा करने को कहा था। इसके बाद कंपनी ने बकाया राशि जमा कर दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान इवेंट को लेकर भी निगम की ओर से कर वसूली की प्रक्रिया जारी है। मार्केट विभाग के अपर आयुक्त आकाश सिह के निर्देशन में इसकी निगरानी की जा रही है। निगम की सख्ती के बाद कंपनी ने पिछला बकाया कर जमा किया है।

टिकट बिक्री के बाद होगी अंतिम गणना

अपर आयुक्त ने बताया कि कंपनी से 65 लाख रुपए का पुराना मनोरंजन कर जमा करवा लिया गया है। अब कंपनी पर पुराना बकाया नहीं है। वर्तमान दो दिवसीय आयोजन में चारशो होने हैं। सभी शो में कितने टिकट बिकते हैं, इसके आधार पर मनोरंजन कर की अंतिम गणना की जाएगी। फिलहाल निगम ने 45 लाख रुपए की डिमांड जारी की है, जिसके एवज में 3 लाख रुपए जमा हो चुके हैं।

इवेंट स्थल पर टीम लगाई

सूत्रों के मुताबिक, पिछले मामले को देखते हुए नगर निगम इस बार वसूली को लेकर सतर्क है। निगम की टीम को इवेंट स्थल पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि टिकट बिक्री और कर की गणना पर नजर रखी जा सके।

कार्रवाई के दौरान आठ बाउंड्रीवॉल, दो आरसीसी स्ट्रक्चर और दुकान हटाई

बायपास से सिटी फॉरेस्ट तक सड़क के रास्ते में आने वाले निर्माणों पर चला निगम का बुलडोजर

50 से ज्यादा कर्मचारी और तीन जेसीबी

जोन क्रमांक 19 में की निगम ने कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में सिटी फॉरेस्ट तक पहुंच आसान बनाने के लिए नगर निगम ने सड़क निर्माण की राह में आ रहे बाधक निर्माणों पर शनिवार को बड़ी रिमूव्हल कार्रवाई की। जोन क्रमांक 19 में 50 से ज्यादा कर्मचारियों और तीन जेसीबी के साथ पहुंची निगम की टीम ने सड़क की जद में आ रहे निर्माणों को हटाया। कार्रवाई के दौरान 8 बाउंड्रीवाल, 2 पक्के आरसीसी स्ट्रक्चर और एक दुकान को जमींदोज किया गया। इस कार्रवाई के बाद प्रस्तावित सड़क का रास्ता काफी हद तक साफ हो गया है। निगम अब यहां सड़क निर्माण का काम आगे बढ़ाएगा।

बंगलों के बाधक हिस्से भी हटाए-सड़क के रास्ते में कई निर्माण बाधक बने हुए थे। शनिवार दोपहर निगम की रिमूव्हल गैंग ने जेसीबी की मदद से इन निर्माणों के बाधक हिस्सों को हटाना शुरू किया। कार्रवाई के दौरान बाउंड्रीवाल के साथ दो पक्के निर्माण और एक दुकान को भी हटाया गया। निर्माण हटने के बाद सड़क के लिए उपलब्ध जमीन का हिस्सा स्पष्ट नजर आने लगा। भवन अधिकारी वैभव देवलासे के अनुसार सड़क निर्माण में बाधक निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की गई है। मौके पर भवन निरीक्षक सचिन गेहलोत सहित निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शहर में 23 सड़कों पर चल रहा काम-निगम शहर में करीब 400 करोड़ रुपए की लागत से 23 सड़कों का निर्माण कर रहा है। मास्टर प्लान के अनुसार इन सड़कों की चौड़ाई तय है। सड़क निर्माण में बाधक निर्माणों को चिन्हित कर उन्हें हटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।

30 करोड़ की लागत से बनेगी ढाई किलोमीटर सड़क

इंदौर बायपास स्थित होटल प्राइड से सिटी फॉरेस्ट तक करीब 2.40 किलोमीटर लंबी और 30 मीटर चौड़ी लिंक रोड का निर्माण किया जा रहा है। विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत इस सड़क पर करीब 29.52 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सिटी फॉरेस्ट को नगर निगम पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित कर रहा है। यहां बड़ी संख्या में फलदार और अन्य प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। सड़क बनने के बाद पूर्वी बायपास से सिटी फॉरेस्ट तक पहुंच आसान होने के साथ क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

इंदौर। भाजपा महिला मोर्चा की नगर उपाध्यक्ष बनने पर श्रेष्ठा जोशी का नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने दीनदयाल भवन भाजपा कार्यालय पर स्वागत किया।

सोशल मीडिया पर कांग्रेसियों पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश प्रवक्ता एवं पार्षद पति सादिक खान ने बताया है कि लगातर भाजपा के इशारे पर सोशल मीडिया पर कांग्रेस पार्टी एवं कांग्रेस नेताओं पदाधिकारियों के संबंध में लगातर सोशल मीडिया पर अनर्गल टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश उपाध्यक्ष अली अजगर भोपाल वाला द्वारा जाति प्रमाण पत्र जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड सहित अन्य कागजों बनवाने के नाम पर अवैध वसूली की जाति है और इस संबंध में कुछ माह पूर्व इनके खिलाफ थाना जूनी इंदौर पर भी शिकायत की गई थी जिस पर जो अवैध राशि लिया गया था वह पुलिस ने वापस लिया था एवं इनके खिलाफ गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय पर अवैध वसूली की कई शिकायत लगातार आती रहती हैं।

आपने आगे बताया है की कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश उपाध्यक्ष अली अजगर भोपाल वाला रविंद्र दूबे सुरेश यादव प्रदेश महामंत्री श्याम वर्मा सुरेंद्र शर्मा को मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश पदाधिकारी पद से हटाते हुए मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र से निष्कासित किया जाता है।

आईडीए की संपदा शाखा में 20 माह से फाइल दबा कर रखा था बाबू

संभागायुक्त की बैठक में खुली पोल, रोका वेतन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रविवार के दिन संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने इंदौर विकास प्राधिकरण की बैठक ली। इसमें सभी 17 शाखाओं के कामकाज की समीक्षा की गई। इस दौरान एक बड़ी गड़बड़ी का भी पता चला।

संपदा शाखा की शिकायत पर एक्शन-सूत्र बताते हैं कि संभागायुक्त को आईडीए की संपदा शाखा को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। बैठक में समीक्षा के दौरान पता चला कि संपदा शाखा का बाबू आकाश सिलावट 20 महीने से फाइल रोक कर बैठा है। इस पर संभागायुक्त ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उसका वेतन रोकने के निर्देश दिए।

समीक्षा में कई शाखाओं में खामियां-सूत्र बताते हैं कि संभागायुक्त की समीक्षा में कई शाखाओं के कामकाज में खामियां मिलीं। संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को तुरंत इसे ठीक करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने भविष्य में किस तरह कामकाज करना है इसकी रूपरेखा भी बताई।

संभागायुक्त ने कहा- नियमित बैठक थी

बैठक के बाद संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने बताया कि पिछले सप्ताह बैठक नहीं कर पाए थे, इसलिए बैठक बुलाई थी। इसमें वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों, योजनाओं आदि की समीक्षा की गई। जहां काम शेष है, वहां समय सीमा में कैसे काम किया जाए। रियलिस्टिक मॉनिटरिंग एवं प्लानिंग पर फोकस करने के निर्देश दिए।

एआईसीसी में सचिव के लिए मप्र प्रदेश कांग्रेस से भेजे गए इन नेताओं के नाम, पदोन्नति की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राष्ट्रीय कांग्रेस में फैसले लेने वाली सर्वोच्च संस्था ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में जल्द ही मप्र से कुछ नाम शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस ने दतिया जीत के बाद कुछ जिलों में बेहतर काम करने वाले नेताओं के नाम इसके लिए दिल्ली भेजे हैं।

कांग्रेस से भेजे गए इन नेताओं के नाम- ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में जल्द ही मप्र के कुछ नेताओं को राष्ट्रीय सचिव पद की जिम्मेदारी मिलेगी। मप्र कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसके लिए दतिया चुनाव के बाद नामों का चयन किया है।

अभी मप्र से कालापीपल के पूर्व विधायक कुणाल चौधरी राष्ट्रीय सचिव पद पर है। इसके पहले इंदौर से पूर्व विधायक सत्तू पटेल भी इस पद पर थे। एक समय मप्र से चार से पांच नेता राष्ट्रीय सचिव पद पर रहते थे।

इन नेताओं के नाम भेजे गए-सूत्रों के अनुसार प्रदेश कांग्रेस से भेजे गए नाम में प्रमुख नाम पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बेटे और राघौगढ़ के विधायक जयवर्धन सिंह का नाम है।

पीसीसी भी नई बनाने की तैयारी-वहीं सूत्रों के अनुसार मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी भी जल्द भंग की जाएगी। संगठन सृजन की कड़ी में नए सिरे से इसका गठन किया जाएगा। इस बार इसे जंबो रूप नहीं देते हुए छोटा रखा जाएगा। इसकी भी तैयारी की जा रही है।

इसके पहले कांग्रेस दतिया चुनाव के बाद प्रकोष्ठ और विभागों को भंग कर चुकी है। नई पीसीसी गठन के बाद नए सिरे से प्रकोष्ठ और विभागों का पुनर्गठन किया जाएगा।

इसमें कार्यकर्ताओं की भी राय ली जाएगी। प्रमुख पदाधिकारियों के चयन के लिए तीन-तीन नामों का पैनल बनेगा। पीसीसी में कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की हाल ही में हुई बैठक में यह फैसला हुआ था।

जातिगत समीकरण से इनकी संभावना

वहीं कांग्रेस के जानकारों ने बताया कि जयवर्धन सिंह का राष्ट्रीय सचिव बनना तय है। वहीं जातिगत समीकरण देखें तो मरकाम का और आरिफ मसूद का नाम भी दौड़ में आगे है। इसके साथ ही ओबीसी वर्ग के लिहाज से सचिन यादव का नाम भी प्रमुखता से हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव का गृह जिला उज्जैन है, ऐसे में महेश परमार को भी उज्जैन के गणित के हिसाब से देखा जा सकता है। पाठक की संभवाना कम ही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।